CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आ: ३/१४
आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-५

२-३

सङ्गीत कला-प्रकाश

(द्वितीय भाग)

रामकृष्णबुवा वझे

पूना

न्थालय
, वाराणसी-५
आ: ३/१४

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

K C Gangul
आ: 3/94
आम्नाय–ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

K C Gangule

31:3/94
आम्नाय-ग्रन्थालय,
सरलनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय.
खैरागढ़ (म० प्र०)

१—पुस्तक की पूर्ण सुरक्षा पाठक पर निर्भर है।

२—कृपया पुस्तक के पृष्ठों में पेन्सिल अथवा स्याही से, कुछ भी मत लिखिये न चिन्ह लगाइये।

३—पुस्तक को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचाने पर नियमानुसार मूल्य अथवा नई पुस्तक देना पड़ेगी।

४—कृपया समय पर पुस्तक लौटाईये, अन्यथा विलंब शुल्क देना पड़ेगा।

गुरुवर्य पं० निसार हुसेनखां साहेब
कोठीवाले गवई, ग्वालेर

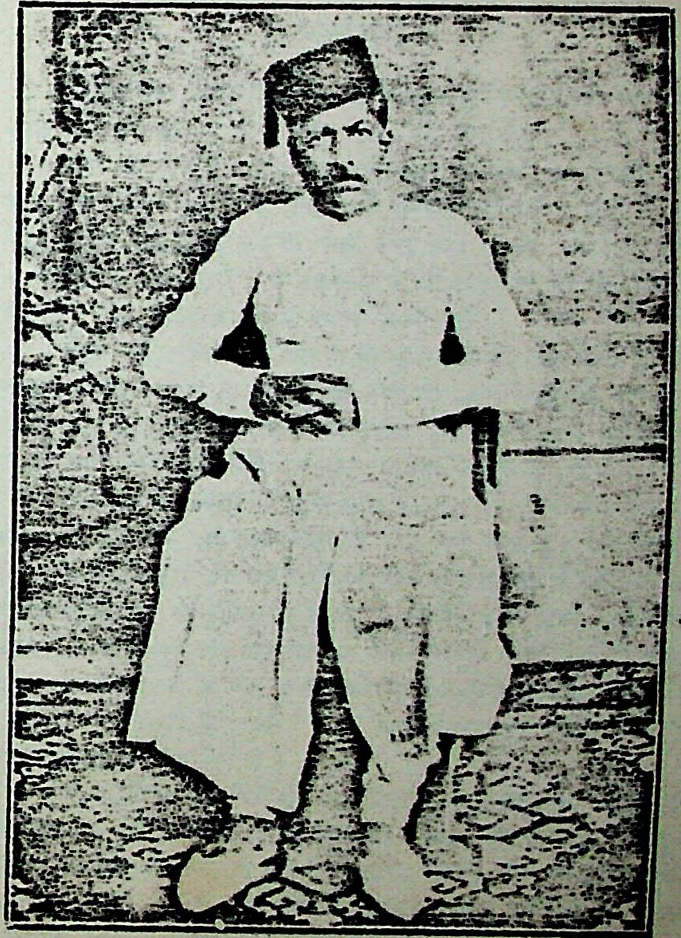

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय–ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

॥ श्री नागेश प्रसन्न ॥

प्रस्तावना

पहले संगीत-कला सीखने के लिये बहुत ही कष्ट उठाने पड़ते थे। आज का काल उस काल से बहुत जुदा हो गया है।

मुझे यह कला प्राप्त करने को बहुत ही कष्ट उठाने पड़े। एक एक चीज सीखने को अन्य गायकों की सेवा करनी पड़ी। परंतु में कभी नही चाहता कि दूसरों को भी उसी तरह कष्ट उठाने पड़े। जो कला में जानता हूं वह दूसरों को सिखाने में मैं उस कला की ही सेवा कर रहा हूं। और दूसरा कोअी भी स्वार्थ इसमें नहीं।

पहले संगीत-शास्त्र में आलाप ही गाये जाते थे। और बाद में ध्रुपद ख्याल आदि शास्त्र के अन्य अंग पैदा हो गये। ख्याल के दो प्रकार माने जाते हैं। एक विलंपत और दूसरा द्रुत। खास तौर पर उन का प्रचार गवालियर आदि मध्य भारतीय प्रांतोंमें विशेष है।

संगीत-कला प्रकाश के पहले भाग में तीस राग दिये गये हैं। उन सब रागों के गीत बड़ी मुष्किलता से जमा कर दिये हैं। मेरे मित्रों से मिलने से मालूम हुआ कि उन रागों को ठीक ठीक समझने में बड़ी कठिनाई मालूम होती है। परंतु केवल किताबों से संगीत कला कभी नही सीखी जाती। स्वर माधुरी और रस माधुरी केवल गुरुमुख से ही प्राप्त हो सकती है। परंतु इस बुढ़ापे में मुझे दूसरों को सिखाना अशक्य होने के कारण में यह मार्ग स्वीकृत कर रहा हूं। इस भाग में प्रचलित पचीस राग और उनके पचाहत्तर गीत दिये हैं।

में गवालियर से लौटते ही गोवा प्रांतीय सद्गृहस्थ श्री. लांबगांवकर देसाईजी ने मुझे आश्रय न दिया होता तो ये दोनों भी भाग न प्रकाशित होते। यह पुस्तक लिखने में श्री दिनकरराव फाटक और श्री बालचंद्रजी पेंढारकर (कै. बापुजी पेंढारकर के सुपुत्र) आदि सज्जनों की बड़ी सहाय्यता हुअी। लोकसंग्रह के व्यवस्थापक ने पुस्तक अच्छी तरह से और जल्द ही छापकर पूरी कर दी। इन सज्जनों का में कृतज्ञ हूं। अस्तु।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मुझे यही आशा है कि जिस भगवान की कृपा से मैं यह पुस्तक लिख सका वही उस का जनता के रूप में आदर करेगा।

रामकृष्ण संगीत विद्यालय,
७२१, सदाशिव पेठ,
पुणें २.

रसिकों का नम्र
रामकृष्णबुवा वझे

स्वर चिन्होंका संक्षिप्त परिचय

रे ग ध नी —इनके नीचे (_) इस तरह चिन्ह होने से वे कोमल हो जाते हैं। और चिन्ह न होने से वे तीव्र होते हैं।

ध —इस तरह लिखा हुआ कोमल है।

मं —और इस तरह लिखा हुआ तीव्र है।

—जिन स्वरों के नीचे नुक्ता (बिंदू) है वे मंद्र स्थान के हैं। और जिनके ऊपर नुक्ता है वे तार स्थानके हैं।

—जिन के नीचे और ऊपर कहींही नुक्ता नही हैं वे सब स्वर मध्य सप्तक के हैं।

‿ —जिन स्वरों के नीचे (‿) इस तरहका चिन्ह है उन की एक मात्रा समझना चाहिये।

⁀ —जिनस्वरों के उपर (⁀) इस तरह का चिन्ह है, वह चिन्ह किस स्वरसे किस स्वर तक मिंड है यह दिखाई देता है।

— —जिन स्वरों के आगे (—) यह चिन्ह है उन की और एक मात्रा समझिये।

ऽ —जिन स्वरोंके आगे ऽ यह चिन्ह है उन के अंत्य स्वर की (अ-आ-ई-ऊ-आदि) और एक मात्रा समझना चाहिये।

+ —यह चिन्ह सम का निदर्शक है।

• —यह चिन्ह, काल का निदर्शक है।

शुद्धिपत्र

पान	ओळ	अशुद्ध	शुद्ध
१	२१	इ	इ
२	२	माईरी	माएरी
२	११	म	मं
३	३	मं	मे
५	७	न ‿	नऽ ‿
५	१	याऽ ‿	दाऽ ‿
११	३	सासनरदिया	छासननदिया
१२	२	मोंदिरला	मोंदलरा
१२	४	चि	च
१२	२०	स	सां
१३	२१	वा	वो
१५	५	बिभिछन	बिछिछन
१८	१७	ध	ध
१८	१७	रें	रे
१८	१८	रे	रें
२४	२०	का	क
२७	१२	मं	मो
२७	२३	दा	डा
२८	२१	मनरेंगते	मनरंगते
२९	२०	ध	ः
३०	२	बटेंलो	हटेलो
३०	१२	बटेंलो	हटेंलो
३२	१५	सांरेंमं ‿	सारेंम ‿

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पान	ओळ	अशुद्ध	शुद्ध
३४	१४	य	द
३५	२२	ग	ग
३६	१३	|प - -| |ना ऽ च|	|प प| |ना च|
४०	१	मध्यप्रकार	मध्यमप्रकार
४०	२	कोहूको	काहेको
४३	२	दरसन	दरसन दे
४४	१२	म	मं
४८	१६	ध	ध
४९	८	निसा	निसा
५०	१६	नी दिरना	नी दिर
५०	१६	रे रदिर	रे दिर
५०	१६	प रदिर	प दिर
५०	२१	किटतक धा	किटतकधः
५८	१२	ना	नी
६४	८	पनी	पनी
६४	२	लागी लागी	लागी लागी लागी
६४	२०	तोसे	तोरे

अनुक्रमणिका

राग	चिजा	पृष्ठे
यमन......	लाखदिया—बनरा आवो—मोहूदरस ..	१ ते ३
भूप	येरि सुगोंब—पियालागी—एबरन ..	४ ते ७
हमीर	नजर नहीं—बाजेबाजे —बांजेबाजे ..	८ ते ११
केदार	ए मौंदिलरा—सुगराबनरा—ए गुमानन ..	१२ ते १४
रामकली ..	आजआनंद—मानमान —टेरत हूं में ..	१५ ते १८
हिंडोल	गावोरी गावो—सब गुनिया—तूही तूही —	१९ ते २१
बिहाग	ए बादर छाये—ए मोरारे—तन मन धन ..	२२ ते २५
देशकार ..	ये गोंगे त्रिवेनी—जागो जागो—देस देस देस	२६ ते २८
जोगिया....	पारकर रें —देख देख—तुमबिन कोन ..	२९ ते ३१
सिंदुरा	सखि ठाडी—ये गरज—देबुलावो रे ..	३२ ते ३५
तिलककामोद	खेलत होरी—छेडत का —मोरि मोहे ..	३६ ते ३९
ललत	करत गुमान—गुनियनकी सोंगत—दरसन दे	४० ते ४३
तोडी	किर्पा करो —गावो गावो—मसलत पुछ	४४ ते ४७
सारंग	परम सुजान—येरी आलि—तान देरे देरे..	४८ ते ५०
बसंत	सब बन फुली—गुंद गुंद—फुलबनकी कलिया	५१ ते ५३
जयजयवंती ..	ताल सुर—कुंजन में —साच साच ..	५४ ते ५७
देस	अरज सुनो—सांवरिया मोहन—रैन गई ..	५८ ते ६१
भिमपलास ..	तब ही गुनी—तुमी सो लागी—भला करे..	६२ ते ६५
बागेश्री.. ..	अब ना रहूं—पिया ना मिले—पिया पिया..	६६ ते ७०
सुगराई ..	आवो ब्रिजराज	७१ ते ७२
सुहा..	बोलन सुना—तु है मौमदसा	७३ ते ७४
दरबारी ..	पिहरवा मोरी—पिया तोरे मन—राघोजी प्यानु	७५ ते ७७
मालकौंस ..	लंगर मद—देहो दरस—रघुबीर को ..	७८ ते ८०
अडाणा ..	पायल मोरी—तोंननतन—तानबनी है ..	८१ ते ८४
भैरवी	जलजमुना भरन—बालम मोरे—दारादे ..	८५ ते ८८
रामदासीमल्हार	तेरोही छेल मोसे	८९ ते ९०
सुरमल्हार ..	चमकान लागी—प्रभु आवो	९० ते ९२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—यमन—ताल—झपताल (मध्यलय)

लालड़िया दिया अलियाको अब क्या मागू मैं तोसे बलमा ॥ धु० ॥ दूधपूत और अन धन लक्ष्मी हमने सबही पाया ॥

आरोह:—- सा रे ग म प ध नी सां ।

अवरोह:—- सां नी ध प मं ग रे सा ॥

इस राग का वादी स्वर गंधार है और संवादी स्वर निषाद है । इस राग का गाने का समय अस्तमान होने के बाद है ।

राग—यमन—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					प	-	मं	म	म
					ला	ऽ	ल	ऽ	वि
ग	-	नी	रे	सा	नी	ध	नी	ध	प
या	ऽ	दि	ऽ	या	अ	लि	या	ऽ	को
प	प	सा	-	-	नी	रे	सा	-	सा
अ	ब	क्या	ऽ	ऽ	मा	ऽ	गू	ऽ	मै
नीध	पधमंर	-	रे	सा					
तोऽ	सेऽऽऽ	ऽ	अ	ला					

अंतरा

					प	म	प	ध	प
					ऽ	ऽ	ध	पू	ऽ
ध	प	-	-	प	नी	ध	नी	-	रें
त	औ	ऽ	ऽ	र	अ	न	ध	ऽ	न
सां	ध	सां	-	-	नी	ध	प	-	मंग
ह	छ	मी	ऽ	ऽ	ह	म	ने	ऽ	बऽ
मग	म	रे	रे	सा					
बऽ	ही	पा	ऽ	या					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—यमन—ताल—एकताल (मध्यलय)

बनरा आयो व्याहनको माईरी देखनको चलरी अब ॥ ध्रु० ॥ शुभ घरि को लगन धरो गावत है मंगल गान सदा रौंग भर पायो ॥

राग—यमन—ताल—एकताल (द्रुत)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
						गमं	गरे	गमं	पध	नी	ध
						ब्रऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	न
प	–	ग	मं	ध	ध	पध	मंप	ग	रे	ग	रे
रा	ऽ	आ	ऽ	ऽ	यो	ब्याऽ	ऽऽ	ह	न	को	ऽ
नी	–	–	रे	सा	–	नी	–	रे	रे	ग	–
मा	ऽ	ऽ	ये	री	ऽ	दे	ऽ	ख	न	को	ऽ
मं	ग	नी	ध	प	प						
च	ल	री	ऽ	अ	ब						

अंतरा

						प	ग	प	प	नी	ध
						सु	भ	ध	रि	को	ऽ
सां	सां	नी	रें	सां	–	नी	–	ध	ध	प	–
ल	ग	न	ध	रो	ऽ	गा	ऽ	व	त	है	ऽ
मं	प	धप	मं	ग	ग	ग	ग	रे	रेग	मंप	मं
मं	ग	लऽ	गा	ऽ	न	स	दा	ऽ	रौं	ऽऽ	ग
ग	रे	नी	रे	सा	–						
भ	र	पा	ऽ	यो	ऽ						

राग—यमन—ताल—त्रिताल (द्रुत)

मोहे दरस दिजो दिजो किरपा किजो इतनी मोपे गरिब निवाजा प मोरे राजा ॥ ध्रु० ॥ मागत नहीं मैं अनधन लछमी मागत इतनो मनरंग तोसे गरिब निवाजा प मोरे राजा ॥

राग—यमन—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								ग	–	रे	ग	मं	प	धनी	सां
								मो	ऽ	हे	द	र	स	दिऽ	ऽ
नी	–	–	मंप	धप	मं	ग	–	म	रे	ग	रे	ग	रे	गमं	प
जो	ऽ	ऽ	दिऽ	ऽऽ	जो	ऽ	ऽ	की	ऽ	पा	ऽ	की	ऽ	जोऽ	ऽ
रे	ग	रे	–	नी	रे	सा	–	नी	नी	रे	रे	ग	ग	मं	–
इ	त	नी	ऽ	मो	ऽ	पे	ऽ	ग	रि	ब	नि	वा	ऽ	जा	ऽ
नी	–	ध	प	मंप	धप	मं	ग								
प	ऽ	मो	रे	राऽ	ऽऽ	जा	ऽ								

अंतरा

								प	ग	प	प	प	प	नी	ध
								मा	ऽ	ग	त	न	हि	मे	ऽ
सां	सां	नी	ध	नी	रें	सां	–	नी	–	नी	नी	नी	नी	नी	ध
अ	न	ध	न	ल	छ	मी	ऽ	मा	ऽ	ग	त	इ	त	नो	ऽ
मं	मं	ध	नी	प	–	प	–	नी	नी	रे	रे	ग	ग	मं	–
म	न	रं	ग	तो	ऽ	से	ऽ	ग	रि	ब	नि	वा	ऽ	जा	ऽ
नी	–	ध	प	मंप	धप	मं	ग								
प	ऽ	मो	रे	राऽ	ऽऽ	जा	ऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—भूप—ताल—झपताल (मध्यलय)

बेरि सुगंध पवन शीतल मौर झुटत बन बन ॥ धु० ॥
फुले अनंग लागत तन जब डर पात प्रिया मेरो सदा रंग रंग बीन ॥

आरोह :— सा रे ग प ध सां ।
अवरोह :— सां ध प ग रे सा ॥

यह राग का वादी स्वर गंधार है और संवादी स्वर धैवत है ।

राग—भूप—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					ग	रे	सा	रे	गरे
					ये	ऽ	री	ऽ	सुऽ
ग	रे	सा	–	सा	सा	सा	साध	ध	सारे
मौं	ऽ	ऽ	ऽ	ब	प	ब	नऽ	ऽ	शीऽ
सा	सा	साध	प	प	पग	–	गप	–	प
त	ल	मौंऽ	ऽ	र	छुऽ	ऽ	टऽ	ऽ	त
ध	प	ग	रे	सा					
ब	न	ब	ऽ	न					

अंतरा

					प	ग	प	सांध	सांध
					फु	ऽ	ले	ऽऽ	अऽ
ध	सां	–	–	सां	सांध	ध	सां	–	रें
नौं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	लाऽ	ऽ	ग	ऽ	त
सारें	धसां	ध	–	प	ग	रे	ग	प	प
तऽ	न	ज	ऽ	ब	ड	र	पा	ऽ	त
सां	ध	सां	–	रें	सारें	धसां	ध	–	प
प्रि	या	मे	ऽ	रो	सऽ	याऽ	रँ	–	ग
ध	प	ग	रे	सा					
रं	ग	बी	ऽ	न					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—भूप—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

पिया लागी लागी लागी बसन बिज तन लिपट आत मोपे ।। ध्रु० ।। देखत है सब लोग लुगैया सदा रंग यामे का पाई ।।

राग—भूप—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १ २ ३ ४	२ ५ ६ ७ ८	० ९ १० ११ १२	३ १३ १४ १५ १६
		ध प ग रे	सा - सा -
		पि या ला S	गी S ला S
		प प प प	
ध़ - - ध़	ग रे ग -	ग ग ग ग	प प ध ध
गी S S ला	S S गी S	ब स न बि	S ज त न
सां ध प ग	- ग ग रे		
लि प ट आ	S त मो पे		

अंतरा

		ग - ग ग	प - सां ध
		दे S ख त	है S स ब
सां - सां सां	सां रें सां -	सां सांरें गं रें	रें रें रेंसां धसां
को S म लु	मै S या S	स दाS S रौं	S ग याS SS
धप मप ग रे	ग रे सा -		
मेS SS ला S	पा S ई S		

राग—भूप—ताल—आडाचौंताल (मध्यलय)

ए बरन बरन की आई सुगर चतर नारी सब नई नई नई नई प्यारी ।।ध्रु०।। गावत कोई नाचत है कोई सदारंग की बल हारी ।।

राग—भूप—ताल—आडाचौंताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १ २	२ ३ ४	० ५ ६	३ ७ ८	० ९ १०	४ ११ १२	० १३ १४
			सारेगरे रेगपग	गपधप ग	रे सा	सा सा
			एSSS SSSS	SSSS ब	र न	ब र
ध़ सा	- सा	गरे ग	सा ग	ग ग	ग रे	ग रें
न की	S आ	SS ई	सु ग	र च	त र	ना S
सा -	सा -	रे सा	प प	ग ध	ध प	सां सां
S S	री S	स ब	न ई	S न	ई S	न ई
ध पध	पपग	रे सा				
S नS	ईS प्या	S री				

अंतरा

			पग ग	प प	सां ध	सां -
			गाS S	व त	को ई	ना S
सां रें	सां -	सां ध	पध गप	ग ग	पग पंग	ग रे
च त	है S	को ई	सS दाS	S रं	SS गS	की S
ध प	ग रे	सा -				
ब ल	हा S	री S				

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—हमीर—ताल—झपताल (मध्यलय)

नजर नहीं आवे तानकी सफर को जो लेवे लेवे ॥ ध्रु० ॥
गुनियान मो जब गावे आलैया कहत गुनि ऐसो गुन कहां पावे ॥

आरोह :— सा ग म ध नी ध सां ।

अवरोह :— सां नी धप मंपधप गमरेसा ॥

इस राग का वादी स्वर पंचम है और संवादी स्वर षड्ज है।

राग—हमीर—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					नी	ध	प	मग	मग
					न	ज	र	नऽ	हीऽ
प	-	नी	ध	ध	ग	गम	ध	प	-
आ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ता	ऽऽ	न	की	ऽ
ग	म	रे	सा	-	पग	ग	प	-	प
स	फ	र	को	ऽ	जोऽ	ऽ	ले	ऽ	वे
धनी	सांरें	सां	-	नी					
लेऽ	ऽऽ	वे	ऽ	ऽ					

अंतरा

प	प	सां	-	सां	सां	-	सां	-	सां
गु	नि	या	ऽ	न	मो	ऽ	ज	ऽ	ब
सांध	ध	सां	-	मांरें	नीमां	मां	ध	नी	प
गाऽ	ऽ	वे	ऽ	आऽ	लैऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	मं	ध	प	ग	म	रे	सा	सा
क	ह	त	गु	नि	ऐ	ऽ	सो	गु	न
नी	ध	नी	सां	नी					
क	हा	पा	ऽ	वे					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—हमीर—ताल—आडयाचौंताल (मध्यलय)

बाजे बाजे बाजे पायल मोरि अब तो येरी आलि आलि ॥ ध्रु० ॥ जो जाऊ मे सदा रँग घर लोग कुटुम के जाने ॥

राग—हमीर—ताल—आडयाचौंताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	० ५	६	३ ७	८	० ९	१०	४ ११	१२	० १३	१४
						धनी	सां	नीध	प	-	प	मग	मग
						वाऽ	ऽ	जेऽ	बा	ऽ	जे	वाऽ	ऽऽ
प	प	मं	प	म	रे	सा	रे	सा	-	नीसा	रे	सा	गम
जे	पा	य	ल	मो	रि	अ	ब	तो	ऽ	येऽ	ऽ	री	आऽ
प	प	धनी	सां	सांध	-								
ऽ	लि	आऽ	ऽ	लीऽ	ऽ								

अंतरा

						प	-	सां	-	सां	-	सां	-
						जो	ऽ	जा	ऽ	ऊ	ऽ	मे	ऽ
सां	सां	ध	सां	-	सां	ध	प	ग	-	रे	ग	ग	म
स	दा	ऽ	रँ	ऽ	ग	घ	र	लो	ऽ	ग	कु	टु	म
प	-	रे	-	सा	-								
के	ऽ	जा	ऽ	ने	ऽ								

राग—हमीर—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

झांजे बाजे बाजे मौंदरवा में कैसे आवो रे ॥ ध्रु० ॥ जागत है मोरि सासननदिया बलजोरि मैं कैसे आवोरी ॥

राग—हमीर—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	३	४	२ ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२	३ १३	१४	१५	१६
													म	ग	म
													झां	ऽ	जे
ध	-	ध	-	पध	नीध	धनी	सां	सां	ध	पध	गम	प	ग	ग	म
बा	ऽ	जे	ऽ	बाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	जे	ऽ	पऽ	ऽऽ	ऽ	झां	ऽ	जे
ध	-	ध	-	पध	नीध	धनी	सां	सां	ध	-	म	प	ग	म	रे
बा	ऽ	जे	ऽ	बाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	जे	ऽ	ऽ	मौं	ऽ	द	ऽ	र
सा	-	सा	-	म	ग	प	-	धनी	सांरें	सांनी	धप	मप			
वा	ऽ	मैं	ऽ	कै	ऽ	से	ऽ	आऽ	ऽऽ	वोऽ	रेऽ	ऽऽ			

अंतरा

												प	-	सां	सां
												जा	ऽ	ग	त
सां	-	सां	सां	ध	नी	सां	रें	नी	सां	ध	प	मं	प	म	म
है	ऽ	मो	रि	सा	ऽ	स	न	न	दि	या	ऽ	ब	ल	जो	ऽ
ध	-	ध	-	-	नी	-	ध	धनी	सांरें	गंरें	सांनी	धप			
री	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	कै	ऽ	से	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	वोऽ	रीऽ			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—केदार—ताल—झपताल (मध्यलय)

ए मौंदिलरा मौंदिरला बाजे पिया काजे ॥ ध्रु० ॥
गावो बजावो मन सखियां मिल सदारंग पिया काजे ॥

आरोह :— सा म मप धि सां ।
अवरोह :— सां नी ध पमप धपम रे सा ॥

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षड्ज है।

राग—केदार—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					मपधप	ममरेंसा	सा	ऽसा	मम
					एऽऽऽ	ऽऽऽऽ	मौं	ऽदि	ऽल
म	म	गग	मंप	मर	सांरेंसांसां	पधपप	सांसांपध	पपरेंसा	रेंसा
रा	मौं	ऽदि	ऽऽ	लग	बाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽजे
म	म	म	प	प					
पि	या	का	ऽ	जे					

अंतरा

					प	-	सां	-	सां
					गा	ऽ	बो	ऽ	ब
सां	-	-	स	-	सां	सां	सां	-	रें
आ	ऽ	ऽ	बो	ऽ	स	ब	स	ऽ	खि
सांरें	सांसां	ध	-	प	म	म	रें	-	सा
याऽ	ऽऽ	मी	ऽ	ल	स	दा	रँ	ऽ	ग
म	म	म	प	प					
पि	या	का	ऽ	जे					

राग—मलुवाकेदार—ताल—एकताल (मध्यलय)

सुगरा चतरा बालम आयो आवो गर लगावो ॥ ध्रु० ॥
पाछली प्रीत सदा रँग तुम निभायो आवो ॥

आरोहावरोह स्वरूप :— रे सा ध़ प़ म, म प नी सां, रेंसां ।
ध प गमप ग म रे सा ॥

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज है।

राग—मलुवाकेदार—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
										म	म
										सु	ग
म	-	प	धप	म	-	-	म	रे	सा	नीसां	रें
रा	ऽ	च	तऽ	रा	ऽ	ऽ	बा	ल	म	आऽ	ऽ
सां	मप	ध	प	ग	म	रे	सा	रे	सा		
बो	आऽ	ऽ	बो	ग	र	ल	गा	ऽ	बो		

अंतरा

प	प	प	सां	-	सां	सां	सां	-	रें	-	सां
पा	छ	ली	प्री	ऽ	त	स	दा	ऽ	रँ	ऽ	ग
प	प	ध	प	-	प	म	रे	सा	-		
तु	म	नि	भा	ऽ	यो	आ	ऽ	यो	ऽ		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—नटकेदार—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

ए गुमानन की जे कहत सदारंग साच साच तोसे ॥ ध्रु० ॥ आदन ऑत न पारन जाको कहत सदारंग साच साच तोसे ॥

आरोहावरोह स्वरूप :— म ग म रे सा रे, पनीसां, रें, । सां नी ध प, ग म रे सा ॥

इस राग वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज है ।

राग—नटकेदार—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
सासा	रेरे	नाना	पप	पध	पध	मांसां	मप	ग	म	रे	सा	रे	–	सा	–
पऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	गुऽ	मा	ऽ	न	न	की	ऽ	जे	ऽ
सां	सा	रे	रे	ग	–	ग	म	नी	ध	प	ग	म	रें	सा	सां
क	ह	त	म	दा	ऽ	रं	ग	सा	ऽ	च	सा	ऽ	च	तो	से

अंतरा

प	–	नी	नी	सां	–	सां	सां	सां	–	सां	रें	सांध	पम	म	–
आ	ऽ	द	न	अं	ऽ	त	न	पा	ऽ	र	न	जाऽ	ऽऽ	को	ऽ
सा	सा	रे	रे	ग	–	ग	म	नी	ध	प	ग	म	रें	सा	सा
क	ह	त	स	दा	ऽ	रं	ग	सा	ऽ	च	सा	ऽ	च	तो	से

राग—रामकली—ताल—झपताल (मध्यलय)

आज आनंद भये अवध नगरमो घर घर गावत मनंद बधावो ॥ ध्रु० ॥

लौंकापत जितके आयेरि रामचंद्र संग है सुग्रीव हनुमंत बिभिखन ॥

आरोह :— सा ग मप ध नीसां ॥

अवरोह :— सांनीध प मपध नीधपग मरेसा ।

इस राग का वादी स्वर धैवत है और संवादी स्वर ऋषभ है।

राग—रामकली—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
							नीध	प	प
					मं	प			
					आ	ऽ	जऽ	आ	ऽ
म	–	ग	ग	ग	ध	प	म	–	म
नं	ऽ	द	भ	ये	अ	व	ध	ऽ	न
रे	रे	सा	–	–	नी	सा	ग	–	म
ग	र	मों	ऽ	ऽ	सा	रे	म	ऽ	र
प	–	ध	सां	सां	रें	सां	ध	–	नी
गा	ऽ	व	ऽ	त	आ	नं	द	ऽ	व
ध	–	प	–	–					
धा	ऽ	वो	ऽ	ऽ					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

					म	-	प	ध	ध
					लौं	ऽ	का	प	त
ध	सां	नी	सां	-	ध	-	सां	-	रें
औ	ऽ	त	के	ऽ	आ	ऽ	यो	ऽ	री
सां	सां	ध	-	प	प	म	प	म	-
रा	म	चौं	ऽ	द्र	सं	ऽ	ग	है	ऽ
ध	रें	रें	सा	सा	ध	ध	सां	-	रें
तु	ऽ	श्री	ऽ	य	ह	तु	मौं	ऽ	त
सां	सां	ध	-	प					
वि	वि	ख	ऽ	न					

राग—रामकली—ताल—एकताल (मध्यलय)

मान मान अब तो पिया ना जाओ तुम बिदेस तुमसन मेरो अटको मन ॥ ध्रु० ॥

विनती करत पैंया परत इतनी अरज सुन लिजो सदारँग अब तो पिया ॥

राग—रामकली—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	० ३	४	२ ५	६	० ७	८	३ ९	१०	४ ११	१२
मंप	नी	ध	प	-	प	प	मं	प	धनी	ध	प
माऽ	ऽ	न	मा	ऽ	न	अ	ब	तो	ऽऽ	पि	या
म	-	म	-	म	-	म	म	पम	म	रे	सा
ना	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ	तु	म	बिऽ	दे	ऽ	स
सा	सा	म	म	प	प	रें	सां	ध	-	प	प
तु	म	स	न	मे	रो	अ	ट	को	ऽ	म	न

अंतरा

म	म	म	प	प	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां
वि	न	ति	क	र	त	पैं	ऽ	या	प	र	त
ध	नी	सां	रें	नी	सां	नी	सां	नीसां	-	ध	-
इ	त	नि	अ	र	ज	सु	न	लीऽ	ऽ	जो	ऽ
रें	सां	-	ध	प	प	प	मं	प	धनी	ध	प
स	दा	ऽ	रँ	ऽ	ग	अ	ब	तो	ऽऽ	पि	या

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—रामकली—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

टेरत हूं मैं बार बार तोसे प्रभु आवो आवो आवो ॥ ध्रु० ॥
तुमरे दरस बिन तरसत हूं मैं बेग बेग अब दरश दिखावो ॥

राग—रामकली—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ 1	2	3	4	2 5	6	7	8	0 9	10	11	12	3 13	14	15	16
								मं	धनी	ध	ध	प	-	ग	म
								टे	SS	र	त	हुं	S	मैं	S
प	-	प	प	-	प	प	प	ग	म	रे	रे	सा	-	म	प
बा	S	र	बा	S	र	तो	से	प्र	भु	आ	S	बो	S	आ	S
सां	-	-	म	रे	सा	सा	-								
बो	S	S	आ	S	S	बो	S								

अंतरा

+ 1	2	3	4	2 5	6	7	8	0 9	10	11	12	3 13	14	15	16
								प	प	प	ध	प	म	ग	म
								तु	म	रे	द	र	स	बि	न
								रें	सां	सां	सां	ध	ध	प	प
								बे	S	ग	बे	S	ग	अ	ब
प	पं	ध	ध	ध	सां	सां	-								
त	र	स	त	हुं	S	मैं	S								
म	म	म	पम	रे	रे	सा	S								
द	र	श	दि	खा	S	वो	S								

राग—हिंडोल—ताल—झपताल(मध्यलय) (कोमल मध्यम प्रकार)

गावोरी गावो गावो बधावा मंगल कारी ॥ ध्रु० ॥
अवध नगर में धूम मची है घर घर गावत मंगल कारी ॥

आरोह :— सा ग म ध सां ।
अवरोह :— सां नी ध म ग सा ॥

इस राग का वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर गंधार है ।

राग—हिंडोल—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ 1	2	2 3	4	5	0 6	7	3 8	9	10
					सां	-	सांध	-	म
					गा	S	बोंS	S	री
म	-	म	-	-	ग	-	म	-	म
गा	S	बो	S	S	गा	S	बो	S	ब
ग	ग	सा	सा	सा	सा	-	म	-	म
धा	S	S	S	वा	मैं	S	ग	S	ल
ध	-	सां	ध	ध					
का	S	S	S	री					

अंतरा

+ 1	2	2 3	4	5	0 6	7	3 8	9	10
					म	म	ध	-	ध
					अ	य	ध	S	न
सां	सां	सां	-	-	सां	-	सां	-	सां
ग	र	मो	S	S	धू	S	म	S	म
ध	-	मं	मं	-	म	म	म	-	म
चि	S	है	S	S	घ	र	घ	S	र
ग	-	ग	सा	सा	सा	-	म	-	म
गा	S	व	S	त	मैं	S	ग	S	ल
ध	-	सां	ध	ध					
का	S	S	S	री					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—हिंडोल—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

(दोन मध्यम प्रकार)

सब गुनिया आये आये राग ताल को जुगल बनाये ॥ धृ० ॥
कोई गावत कोई मृदंग बजावत कोई तो होरि मनावन आये ॥

राग—हिंडोल—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								सां	सां	ध	ध	मं	ग	ग	-
								स	ब	गु	नि	या	ऽ	आ	ऽ
सा	-	-	सा	ग	-	ग	-	म	म	म	म	म	म	म	म
ये	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	रा	ऽ	ग	ता	ऽ	न	की	[illegible]
सांध	सां	सां	सां	सां	-	सांध	-								
जुऽ	ग	ल	ब	ना	ऽ	येऽ	ऽ								

अंतरा

								मं	ध	सां	-	सां	सां	सां	मं
								को	ई	गा	ऽ	व	त	को	ई
सां	सां	सां	सां	सां	-	सां	ध	ग	म	ग	-	ग	सा	सा	सा
मृ	दं	ग	ब	जा	ऽ	व	त	को	ई	तो	ऽ	हो	ऽ	रि	[illegible]
मं	-	ध	ध	ध	-	ध	सां								
ना	ऽ	व	न	आ	ऽ	ये	ऽ								

राग—हिंडोल—ताल—एकताल (मध्यलय)

तूहि तूहि तूहि तूहि आद तूहि नाद तूहि भेद गुन समुद्र ॥ धृ० ॥ तूहि आप तूहि तेज तूहि ब्रह्म निराँकार घट घट में तूहि ॥

आरोह :— सा ग मं ध नीध सां

अवरोह :— सां नीध मंग सा ॥

राग—हिंडोल—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
						सा	-	सा	ग	-	मं
						तु	ऽ	हि	तू	ऽ	हि
म	-	ध	सां	-	-	सां	-	सां	सां	ध	ध
तू	ऽ	हि	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ	हि	आ	ऽ	द
मं	ग	मं	ग	सा	सा	सा	सा	ग	मं	-	ध
तू	ऽ	हि	ना	ऽ	द	तू	ऽ	हि	भे	ऽ	द
सां	सां	ध	सां	ध	ध						
गु	न	स	मु	ऽ	द्र						

अंतरा

						मं	-	ध	सां	-	सां
						तू	ऽ	हि	आ	ऽ	प
सां	-	ध	सां	-	सां	सां	-	सां	सां	-	ध
तू	ऽ	हि	ते	ऽ	ज	तू	ऽ	हि	ब्र	ऽ	ह्म
मं	ग	-	ग	सा	सा	सा	सा	ग	ग	मं	-
नि	रां	ऽ	का	ऽ	र	घ	ट	घ	ट	में	ऽ
मं	-	ध	सां	-	-						
तू	ऽ	हि	ऽ	ऽ	ऽ						

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—बिहाग—ताल—झपताल (मध्यलय)

ध बादर छाये उमंड घुमंड घन मोर पपियरा बोलन लागी ॥ छ० ॥ जबसे गये पिया मनके रंगीले तबसे आसुवन लागी झरें ॥

आरोह :— सा ग म प नी सां।

अवरोह :— सां नीधप मं गमगरे सा ॥

इस राग का वादी स्वर गंधार है और संवादी स्वर निखाद है।

राग—बिहाग—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					सासासारे	सासापप	पधमंप	पसांनीध	पपप
					एऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽबा.
नीग	गम	ग	–	ग	नी	सा	ग	–	प
ऽद	ऽर	छा	ऽ	ये	ऊ	मं	ड	ऽ	घु
ग	म	ग	रे	सा	नी	साग	ग	पप	प
मं	ड	घ	ऽ	न	मो	रप	पि	ऽय	रा
पनी	सांगं	रेंसांनीध	पमगरे	सा					
बोऽ	लन	लाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	गी					

अंतरा

प	प	नी	–	नी	सां	–	सां	–	सां
ज	ब	से	ऽ	ग	ये	ऽ	पि	ऽ	या
नीं	नीं	नी	–	सां	नी	धप	–	सां	नी
म	न	के	ऽ	रं	गी	ऽऽ	ऽ	ऽ	ले
म	ग	सा	सा	मग	प	–	द	प	नी
त	ब	से	आ	कुऽ	ब	ऽ	न	का	ऽ
सां	गं	रेंसांनीध	पमगरे	सा					
नी	झ	रेऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—विहाग—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

प मोरारे मोरारे तुमी सो लागी लागी नैना लागी नैना हमारे ॥ ध्रु० ॥ आवो आवो गरुवा लगावो सदारंग मोरे बल मारे ॥

राग—विहाग—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								साना	सारे	सासा	पप	पध	पप	नी	सां
								एऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	मो	रा
नीं	धप	मग	ग	म	ग	-	-	सा	सा	म	ग	म	ग	ग	प
रे	ऽऽ	ऽऽ	मो	रा	रे	ऽ	ऽ	तु	मि	सो	ऽ	ला	ऽ	गी	ऽ
..	ग	-	म	ग	रे	सा	-	सा	-	म	ग	प	-	प	प
ऽ	ला	ऽ	गी	नैं	ऽ	ना	ऽ	ला	ऽ	गी	ऽ	नै	ऽ	ना	ह
गरें	सांनां	पध	पप	गम	गरे	सा	-								
माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	रे	ऽ								

अंतरा

								ग	म	ग	म	प	-	नी	-
								आ	ऽ	वो	ऽ	आ	ऽ	वो	ऽ
सां	सां	सां	सां	सां	-	सां	-	प	सां	-	नी	-	ध	प	-
ग	रु	वा	ला	गा	ऽ	वो	ऽ	स	दा	ऽ	रौं	ऽ	ग	मो	ऽ
ग	म	प	म	ग	रे	सा	-								
रे	ऽ	ब	ल	मा	ऽ	रे	ऽ								

राग—विहाग—ताल—आडयाचौताल (मध्यलय)

तन मन धन अर्पन कियो मे अब तो रहो का पिया पिया पिया ॥ ध्रु० ॥ वार वार कोन कहत एक बेर कहता सदारंग तोसे ॥

राग विहाग—ताल—आडयाचौताल (मध्यलय)

अस्ताई ,

+		२		०		३		०		४		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
						प	म	ग	रे	सा	सा	सा	-
						त	न	म	न	ध	न	अ	ऽ
रे	सा	नी	सा	नी	-	सा	सा	मग	ग	ग	प	प	-
र्प	न	कि	यो	मे	ऽ	अ	ब	तोऽ	र	हो	ऽ	का	ऽ
नी	प	ध	म	म	ग								
पि	या	पि	या	पि	या								

अंतरा

						प	-	प	सां	-	सां	सां	-
						या	ऽ	र	वा	ऽ	र	को	ऽ
सां	सां	सां	सां	नी	-	नी	नी	-	नी	सां	नी	प	-
न	क	ह	त	प	ऽ	क	बे	ऽ	र	क	हे	ता	ऽ
प	म	ग	रे	सा	सा								
स	दा	रं	ग	तो	से								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—देशकार—ताल—झपताल (मध्यलय)

ये गौंगे त्रिवेनि दयानि दुःख हरनि सुख करनि भवतरनि ॥ ध्रु०॥ जो ध्यावे सो पावे इच्छा फल दानि त्रिपथ पथ कामिनि ॥

आरोह :— सारे, गप ध सां

अवरोह :— सांध प गपधप गरे सां

इस राग का वादी स्वर धैवत है और संवादी स्वर गंधार है।

राग—देशकार—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					सा	ध	–	ध	प
					ये	ऽ	ऽ	गौं	ऽ
प	पग	प	ध	ध	ध	ध	सां	ध	प
गे	त्रिऽ	वे	ऽ	नि	द	या	ऽ	नि	ऽ
प	ग	प	प	प	प	ग	ग	रे	सा
दु	ख	ह	र	नि	सु	ख	क	र	नि
सां	ध	सां	रें	रें					
भ	व	त	र	नि					

अंतरा

					प	ध	सां	–	सां
					जो	ऽ	ध्या	ऽ	वे
सां	–	रेंध	सां	सां	ग	–	ग	–	ध
सो	ऽ	पाऽ	ऽ	वे	इ	ऽ	छा	ऽ	फ
प	–	ग	रे	सा	सांध	सांध	सांध	सां	सां
ल	ऽ	दा	ऽ	नि	त्रिऽ	पऽ	थऽ	प	थ
सां	–	रें	रें	–					
का	ऽ	मि	नि	ऽ					

राग—देशकार—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

जागो जागो जागो मोहन भोर भई है अब तो प्यारे हमरे दरसको सबहि आयो ॥ ध्रु० ॥ नारदादि गुनि मुनि सनकादिक, जोगि जंगम जति निरंजन तोरे द्वारपे ठाडे देखो ॥

राग—देशकार—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								सा	ध	ध	ध	–	ध	धसां	रेंसां
								जा	ऽ	गो	जा	ऽ	गो	जाऽ	ऽऽ
ध	–	प	–	प	ग	प	प	ग	प	प	धप	ग	–	ग	–
ग	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽ	ह	न	भो	ऽ	र	भऽ	ई	ऽ	है	ऽ
ग	ग	ग	रे	रे	–	सा	–	ग	ग	ग	प	प	प	ध	–
अ	ब	तो	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	तू	म	रे	द	र	स	को	ऽ
सां	ध	ध	सां	धसां	रें	रें	–								
स	ब	ही	ऽ	आऽ	ऽ	यो	ऽ								

अंतरा

								प	ग	ग	प	–	प	सां	ध
								ना	ऽ	र	दा	ऽ	दि	गु	नि
सां	सां	सां	सां	सां	–	सां	सां	सां	ध	सां	ध	ध	सां	ध	प
मु	नि	स	न	का	ऽ	दि	क	जो	ऽ	गी	ऽ	जं	ऽ	ग	म
ग	ग	–	प	ग	रे	सा	सा	ग	प	ग	प	–	प	ध	–
ज	ति	ऽ	नि	रं	ऽ	ज	न	तो	ऽ	रे	द्वा	ऽ	र	पे	ऽ
ध	सां	सां	–	धसां	रें	रें	–								
ठा	ऽ	डे	ऽ	देऽ	ऽ	खो	ऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—देशकार—ताल—आडाचौताल (मध्यलय)

देस देस देस के गुनि आये चरचा करत गुनकी सब राग तानको बनावे ॥ ध्रु० ॥ सप्त सुरन के भेद न्यारे न्यारे न्यारे सनरंग तें कराइखावे ॥

राग—देशकार—ताल—आडाचौताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२		०		३		०		४		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
						गप	घ	प	रे	रे	सा	ग	प
						देऽ	ऽ	स	दे	ऽ	स	दे	ऽ
ग	प	-	-	प	प	गप	घ	ग	-	प	ग	प	घ
स	कं	ऽ	ऽ	गु	नि	आऽ	ऽ	ये	ऽ	च	र	चा	क
प	ग	ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा	रे	सा	रे	ग	रे
र	न	गु	न	कि	ऽ	स	ब	ग	ऽ	ग	ता	ऽ	न
ग	प	ग	प	घ	घ								
को	ऽ	ब	ना	ऽ	ये								

अंतरा

प	प	-	सां	घ	घ	घ	सां	-	सां	-	सां	सां	-
स	प्त	ऽ	सु	र	न	के	ऽ	ऽ	भे	ऽ	द	न्या	ऽ
सां	सां	-	सां	धमा	रें	मध	-	ग	ग	ग	ग	ग	रे
रे	न्या	ऽ	रे	न्याऽ	ऽ	रेऽ	ऽ	म	न	रे	ग	ते	ऽ
ग	ग	प	ग	रे	सा								
क	र	दि	खा	ऽ	वे								

राग—जोगिया—ताल—झपताल (मध्यलय)

पार करेरे मोरि नाव पुरानि प्रान परि मज धार ॥ ध्रु० ॥ जो उतरू मैं साथ न कोई तुमहि दिखावो तीर ॥

आरोह :— सा रे म प धु सां ॥

अवरोह :— सां धु प म रे सा ।

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षडज है ।

राग—जोगिया—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					धु	-	गम	मरे	सा
					पा	ऽ	रऽ	कऽ	र
म	-	म	-	म	मरे	-	सा	सा	सा
रे	ऽ	मो	ऽ	री	नाऽ	ऽ	ब	ऽ	पु
रे	-	रे	रे	सा	नी	सा	रे	म	प
रा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	आ	ऽ	न	प	रि
धु	धु	धु	नी	नी					
म	ज	धा	ऽ	र					

अंतरा

धु	-	धु	-	धु	धु	सां	-	सां	-
जो	ऽ	ऊ	ऽ	त	रू	ऽ	ऽ	मे	ऽ
धु	-	सां	-	रें	नी	धु	प	प	-
सा	ऽ	थ	ऽ	न	को	ऽ	ऽ	ई	ऽ
धु	धुपम	रे	सा	सा	म	-	मप	प	प
तू	मऽऽ	हि	ऽ	दि	खा	ऽ	ऽऽ	ऽ	वो
धु	-	धी	धी	धु					
ती	ऽ	ऽ	ऽ	र					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग—जोगिया—ताल—एकताल (मध्यलय)

देख देख देखरी पिया अटेलो मानत नहिं का कहूं तोसे आलेरी ।। ध्रु० ।। बाट बाट रोकत है जाने ना देत बलजोरी ऐसो निपट निठुर भयो का कहूं तोसे आलेरी ॥

राग—जोगिया—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
						सा	-	रे	म	-	म
						दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख
प	-	ध	ध	सां	-	सां	नीं	ध	ध	प	म
दे	ऽ	ख	री	ऽ	ऽ	पी	या	अ	टे	ऽ	लो
म	रे	रे	रे	सा	सा	सा	-	सा	सा	रे	सा
मा	ऽ	न	त	न	हिं	का	ऽ	क	हूं	तो	से
रें	सां	-	सांध	-	ध						
आ	ऽ	ऽ	लेऽ	ऽ	री						

अंतरा

						म	-	म	प	-	ध
						बा	ऽ	ट	घा	ऽ	टे
सां	-	सां	सां	सां	-	ध	ध	ध	सां	-	रें
रो	ऽ	क	त	है	ऽ	जा	ने	ना	दे	ऽ	त
नी	सां	नीसां	रेंसां	ध	-	नी	ध	ध	प	धप	म
ब	ल	जोऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऐ	ऽ	सो	नि	पऽ	ट
म	म	रे	-	सा	सा	सा	-	सा	सा	रे	सा
नि	ठु	र	ऽ	भ	यो	का	ऽ	क	हु	तो	से
रें	सां	-	सांध	-	ध						
आ	ऽ	ऽ	लेऽ	ऽ	री						

राग—जोगिया—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

तुम बिन कोन करत दुख दुर अब तो मेरे कृष्ण पियारे ।। ध्रु० ।। आवो आवो बेग चुडावो पकरत चीर हमारीरे अब तो मेरे कृष्ण पियारे ।।

राग—जोगिया—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								प	ध	प	म	मरे	-	सा	सा
								तू	म	बि	न	कोऽ	ऽ	न	क
सा	सा	सा	रे	सा	-	-	सा	सा	रे	म	-	म	-	म	-
र	त	दु	ख	दू	ऽ	ऽ	र	अ	ब	तो	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ
प	-	प	प	पध	नीध	ध	म								
कृ	ऽ	ष्ण	पि	याऽ	ऽऽ	रे	ऽ								

अंतरा

								म	-	प	ध	सां	-	सां	-
								आ	ऽ	बो	ऽ	आ	ऽ	बो	ऽ
सां	-	सां	सां	नीसां	-	ध	-	प	ध	प	ध	पम	-	म	म
ये	ऽ	ग	चु	डाऽ	ऽ	बो	ऽ	प	क	र	त	तोऽ	ऽ	र	ह
रे	-	सा	सा	सा	-	-	-	सा	रे	म	-	म	-	म	-
मा	ऽ	ऽ	री	रे	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब	तो	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ
प	-	प	प	पध	नीध	ध	म								
कृ	ऽ	ष्ण	पि	याऽ	ऽऽ	रे	ऽ								

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सिंदुरा—ताल—झपताल (मध्यलय).

सखि ठाडी हेरत मैं पियाके आवनकी ॥ ध्रु० ॥
विकल भई तुम विन सावन आस लगी तोरे दरसकी ॥
आरोहः— सा, रें म प ध, सां।
अवरोहः— सां नी ध प म गु रे सा ॥
इस राग का वादी स्वर षडज और संवादी पंचम है।

राग—सिंदुरा—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
								म	पध
								स	खिऽ
सां	—	नी	ध	म	मप	—	धपधप	गुरे	सा
ठा	ऽ	डी	ऽ	ऽ	हंऽ	ऽ	रऽतऽ	मैऽ	पि
रे	म	म	मपध	सांरेंगं	सां	रें	नी	म	पध
या	ऽ	के	आऽऽ	ऽऽऽ	व	न	की	स	खीऽ
सां	—	नी	ध	प					
ठा	ऽ	डी	ऽ	ऽ					

अंतरा

					म	प	नी	—	नी
					वि	क	ल	ऽ	म
सां	—	—	ध	सां	रें	गुं	रें	सां	सां
ई	ऽ	ऽ	तु	म	बि	ऽ	ऽ	न	सा
—	नी	ध	प	ध	म	प	ध	ध	सां
ऽ	व	ऽ	न	आ	ऽ	स	ल	गी	ऽ
ध	—	म	—	म	प	ध	गुरे		
तो	ऽ	रे	ऽ	द	र	स	कीऽ		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सिंदुरा—ताल—एकताल (मध्यलय)

ये गरज धाय धाय सुंदर सब मिल सुजान आनौंद मंगल गात ॥ धु० ॥ आपने री पियाको आवन किनो समुझ हास घरमें फूल गाय ॥

राग—सिंदुरा—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	० ३	४	२ ५	६	० ७	८	३ ९	१०	४ ११	१२
						ग॒	–	रे	ग॒	सा	रे
						ये	ऽ	ऽ	ग	र	ज
म	–	म	प	–	प	म	–	प	सां	नी	सां
धा	ऽ	य	धा	ऽ	य	सुं	ऽ	द	र	स	ब
म	नी॒	प	ग॒	ग॒	रे	ग॒	ग॒	ग॒	रे	सा	रे
मि	ल	सु	जा	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	नौं	ऽ	य
म	ध	धप	ग॒	–	रे						
मं	ग	लऽ	गा	ऽ	न						

अंतरा

+ १	२	० ३	४	२ ५	६	० ७	८	३ ९	१०	४ ११	१२
म	म	–	प	–	ध	नी॒	नी॒	नी॒	ध	–	प
अ	प	ऽ	ने	ऽ	री	पि	ऽ	ऽ	या	ऽ	को
नी॒	नी॒	नी॒	सां	–	रें	नी॒	नी॒	पध	ऽ	प	प
आ	ऽ	ऽ	व	ऽ	न	की	ऽ	ऽऽ	ऽ	नो	ऽ
प	नी	सां	सां	–	रें	नी॒	नी॒	–	ध	प	–
स	मु	झ	हा	ऽ	स	घ	र	ऽ	में	ऽ	ऽ
म	ध	धप	ग॒	ग॒	रे						
फु	ऽ	लऽ	गा	ऽ	य						

राग—सिंदुरा—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

दे बुलाचो रे माई मी ता मोरा सब सखियन मिल चारो रे ॥ धु० ॥ हां हां कह्यो पैंया सिस नमाऊ गई पलख मार दिन रैन तरस रहि सब सखियन मिल चारो रे ॥

राग—सिंदुरा—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	३	४	२ ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२	३ १३	१४	१५	१६
													ध	प	ध
													दे	ऽ	बु
नी॒	–	–	–	पध	प	प	–	मप	–	ग॒	ग॒	रे	–	मग	–
ला	ऽ	ऽ	ऽ	बोऽ	ऽ	रे	ऽ	माऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	मीऽ	ऽ
ग॒	ऽ	ऽ	रे	रे	–	सा	–	रे	रे	ग॒	रे	रे	म	प	ध
ता	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽ	रा	ऽ	स	ब	स	खि	य	न	मि	ल
प	ध	नी॒	रें	रेंसां	नी॒ध	पम	ग॒रे	सारे	मप	ध	नी॒	नी॒			
चा	ऽ	ऽ	रो	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ			

अंतरा

+ १	२	३	४	२ ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२	३ १३	१४	१५	१६
						म	म	प	सां	–	सां	सां	–	नी	सां
						हां	हां	क	ह्यो	ऽ	पैं	या	ऽ	सि	ऽ
रें	सां	नी॒	–	पध	प	म	म	प	ध	प	ग॒	–	रे	सा	रे
स	न	मा	ऽ	ऽऽ	ऊ	ग	ई	प	ल	ख	मा	ऽ	र	दि	न
ग॒	–	रे	ग॒	सा	रे	नी॒	मा	रे	ग॒	रे	सा	रे	म	प	ध
है	–	न	त	र	स	र	हि	स	ब	स	खि	य	न	मि	ल
प	ध	नी॒	रें	सां	नी॒ध	पम	ग॒रें	सारे	मप	ध	नी॒	नी॒			
चा	ऽ	ऽ	रो	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—तिलककामोद—ताल—झपताल (मध्यलय)

खेलत होरी अब कान नाचत बहु रँग जसोदा के नंद लाल ॥ ध्रु०॥ और भई है कुंज गली नमी पलखात छुपकात मुसकात ॥

आरोह :— सा रे म प ध म प मां ।

अवरोह :— सां प ध म ग सा रे ग नी सा ॥

इस राग का वादी स्वर पंचम और संवादी स्वर षड्ज है ।

राग—तिलककामोद—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					रेमरेसा	रेमपध	पमध	—म	गरे
					खेऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽल	ऽत
रे	रे	नीरेसा	सा	सा	प —	—	नी	—	सा
हो	रि	अऽब	का	न	ना ऽ	च	ऽ	ऽ	त
रे	रंग	नी	—	सा	नी	सा	रे	म	प
ब	हुऽ	रँ	ऽ	ग	ज	सो	दा	ऽ	के
सां	प	म	ग	सा					
नं	द	ला	ऽ	ल					

अंतरा

म	प	नी	—	नी	सां	—	सां	—	सां
भी	ऽ	र	ऽ	भ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ
प	नी	सां	—	रें	रें	गं	सां	—	—
कुं	ऽ	ज	ऽ	ग	ली	न	मो	ऽ	ऽ
सां	सां	मां	—	प	ध	प	म	—	ग
प	ल	खा	ऽ	त	छु	प	का	ऽ	त
म	गरे	म	—	सा					
मु	सऽ	का	ऽ	त					

राग—तिलककामोद—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

छेड़न को मोहन हमसे नायक नंदी चरचा करत सकल नगर नर नार ॥ धृ० ॥ हूं तो मैं कुलीन घर नार तुम चतुर सुजान लंगर कुटिल खल शौंकित चर्चा करत है बार बार ॥

राग—तिलककामोद—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
												म	—	रे	सा
												छे	ऽ	ड़	न
रे	—	—	—	मरे	मप	धप	मप	सां	—	प	प	ग	ग	सा	—
को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	मो	ऽ	ह	न	ह	म	से	ऽ
प	—	नी	नी	सा	—	सा	—	ग	रे	म	—	प	ध	म	प
ना	ऽ	ह	क	तू	ऽ	हि	ऽ	च	र	चा	ऽ	क	र	त	स
नी	सां	रें	गं	सां	—	सां	सां	पध	पम	गरे	रे				
क	ल	न	ग	र	ऽ	न	र	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	र				

अंतरा

												म	प	नी	—
												हूं	तो	मैं	ऽ
सां	नी	सां	सां	सां	सां	—	सां	प	नी	सां	रें	रें	गं	मां	सां
कु	ली	न	घ	र	ना	ऽ	र	तु	म	च	तु	र	सु	जा	न
सां	—	सां	सां	मां	प	म	ग	ग	—	ग	मा	ग	रे	म	—
लं	ऽ	ग	कु	टि	ल	ख	ल	शौं	ऽ	कि	त	च	र	चा	ऽ
प	ध	म	प	पनी	मारें	सां	सां	पध	पम	गरे	रे				
क	र	त	है	बाऽ	ऽऽ	र	ऽ	बाऽ	ऽऽ	ऽऽ	र				

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग—तिलककामोद—ताल—एकताल (द्रुत)

जोरि मोहे कलना परत अब तो करत रज गरज ले समुझ पिया मानले ॥ध्रु०॥ नाजानु ना जानु कैसि किनी बरजोरि पकर के कर बैया झक झोरि जिया थर थरात पग डगमगात बढ़र पिया विनति करत करत बैया मे परत गई आज ॥

राग—तिलककामोद—ताल—एकताल (द्रुत)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
										ग	रे
										मो	रि
म	म	सा	रे	म	सा	नी	सा	प	प	नी	सां
मो	हे	क	ल	ना	प	र	त	अ	ब	तो	क
रे	रे	ग	रे	म	रे	म	म	रे	सा	रे	ग
र	त	र	ज	ग	र	ज	हे	ऽ	ब	मु	झ
नी	सा	नीसा	रेम	रेम	पध	मप	धप	मग	सा		
पि	या	माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	मऽ	ले		

अंतरा

म	म	म	प	प	प	रे	म	प	ध	म	ग
ना	जा	नु	ना	जा	नु	कै	सि	कि	नी	ब	र
सा	रे	ग	रे	ग	सा	रे	सा	सा	रेग	मर	म
जो	रि	प	क	र	के	क	र	थैं	याऽ	ऽऽ	झ
ग	नी	सा	–	म	म	प	नी	सां	सां	–	प
क	झो	रि	ऽ	जि	या	थ	र	थ	रा	ऽ	त
ध	प	ध	प	ध	म	–	म	म	रे	म	म
प	ने	ढु	ग	म	गा	ऽ	त	न	ज	र	पि
प	–	प	नी	नी	सां	नी	सां	प	नी	सां	सां
या	ऽ	बि	न	ती	क	र	त	क	र	त	थैं
पनी	सारें	सां	नी	ध	प	पध	मे	ग	सा		
ऽऽ	ऽऽ	मे	प	र	त	गई	आ	ऽ	ज		

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—ललत—ताल—झपताल (मध्यलय) (कोमल मध्यप्रकार)

करत गुमान कोहको इतनो एकले एक हैं देखो जगत सों ॥ ध्रु ॥ नाद सुरत ब्रह्म विद्या जो कहे अत मनरंग कहे साच को कहे लय ग्यान ॥

आरोह:— नी रे ग म, ध, सां नी सां ।
अवरोह:— सां नी रें नी ध म ग, रे सा ॥

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षड्ज है।

राग—ललत—ताल—झपताल (मध्यलय) (एकमध्यम प्रकार)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					नी	सा	म	–	रे
					क	र	त	ऽ	गु
ग	–	–	–	ग	नी	ग	रे	–	सा
मा	ऽ	ऽ	ऽ	न	का	ऽ	हे	ऽ	को
नी	रेंसा	नी	ध	–	नी	सा	म	म	–
इ	तऽ	नो	ऽ	ऽ	ए	ऽ	क	ले	ऽ
ध	–	रे	ग	–	नी	सा	ग	म	–
ए	ऽ	क	है	ऽ	दे	ऽ	ऽ	खो	ऽ
म	रे	सा	सा	–					
क	ग	त	सों	ऽ					

अंतरा

					म	–	ध	–	ध
					ना	ऽ	द	ऽ	सु
सां	सां	सां	–	सां	सां	–	सां	–	रेंसां
र	त	ब्र	ऽ	ह्म	वि	ऽ	द्या	ऽ	जोऽ
नी	नी	नी	ध	ध	सा	सा	ग	–	ग
क	हे	अ	ऽ	त	म	न	रं	ऽ	ग
ग	ग	रे	–	सा	सा	–	सां	सां	–
क	हे	सा	ऽ	च	को	ऽ	क	हे	ऽ
रेंसां	नी	नी	ध	ध					
सऽ	ल	ग्या	ऽ	न					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—ललत—ताल—त्रिताल (मध्यलय) (एकमध्यम प्रकार)

गुनियनकी सँगत तुम करिये अवगुनसे मानस तुम डरिये ॥ ध्रु० ॥ साच कहत है सदारँग तोले येहि बातको मन मे धरिये ॥

राग—ललत—ताल—त्रिताल—(मध्यलय)

अस्ताई

+	२	०	३
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
		ग ग रे̱ रे̱	सा – सा –
		गु नि य न	की ऽ सँ ऽ
सा सा सा सा	नी̱ (रेसा) नी̱ ध	नी̱ सा म म	म – ग –
ग त तु म	क (रिऽ) ये ऽ	अ व गु न	से ऽ मा ऽ
ग रे̱ ग रे̱	ग रे̱ सा –		
न स तु म	ड रि ये ऽ		

अंतरा

+	२	०	३
		म – म म	ध ध ध –
		सा ऽ च क	ह त है ऽ
		सां – सां नी	– सां नी ध
		ये ऽ हि बा	ऽ त को ऽ
ध ध – ध	सां सां सां सां		
स दा ऽ रँ	ऽ ग तो से		
ग म म –	ग रे̱ सा –		
म न मे ऽ	ध रि ये ऽ		

राग—ललतपंचम—ताल—एकताल (मध्यलय)

दरसन दे दे मोहे ब्रिजके राज राज आज कलना परत तुम बिन मोहे ॥ ध्रु० ॥ बाट तकत तकत तोरी सदारँग बित गये बरसो दिन ॥

आरोह स्वरूप :—नी̱ ध̱ सा म म प ध नी प।

म, प ग रे̱ सा।

राग—ललतपंचम—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
						रे̱	ग	रे̱	सा	सा	–
						द	र	स	न	दे̱	ऽ
सा	–	सा	–	नी̱	ध	सा	म	म	म	–	म
दे	ऽ	दे	ऽ	मो	हे	ब्रि	ज	के	रा	ऽ	ज
(पध)	(मप)	(गग)	ग	रे̱	सा	सा	ध	ध	ध	ध	ध
(राऽ)	(ऽऽ)	(ऽल)	आ	ऽ	ज	क	ल	ना	प	र	त
प	ध	नी	म	ग	ग						
तु	म	बि	न	मो	हे						

अंतरा

+		०		२		०		३		४	
म	–	म	ध	ध	ध	सां	सां	सां	सां	–	सां
बा	ऽ	ट	त	क	त	त	क	त	तो	ऽ	रि
(रेंसां)	नी	ध	ध	प	प	गा	–	म	म	म	–
(धऽ)	दा	ऽ	रँ	ऽ	म	बि	ऽ	त	ग	ये	ऽ
ग	म	(पपमप)	ग	रे̱	सा						
ब	र	(सोऽऽऽ)	ऽ	दि	न						

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—गुजरी तोडी—ताल—झपताल

किर्पा करो रहो मोरे मंदरमे पैया परू तोरे सीस नमावू ॥धृ०॥ जो रहो गुन मानु और डारू गले हार सदा रंग पिया अब ॥

आरोह:— सा रे ग मं ध नी सां ।

अवरोह:—सां नी ध मं ग रे सा ॥

इस राग का वादी स्वर धैवत है और संवादी स्वर गंधार है। इस राग में पंचम स्वर वर्ज है। बाकी चलन सब मिया की तोडी के सरिख है।

राग—गुजरी तोडी—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					ध	ध	मं	—	म
					कि	ऽ	पाँ	ऽ	क
ग	—	ग	रे	सा	सा	—	सा		सा
रो	ऽ	र	ऽ	हो	मो	ऽ	रे	ऽ	म
सा	रेसा	ध		—	नी	रे	ग	—	मं
द	ऽ	मे	ऽ	ऽ	पै	ऽ	या	ऽ	प
मं	म	ध	—	ध	मं	ध	सां	ऽ	सां
रू	ऽ	तो	ऽ	रे	सि	ऽ	स	ऽ	न
सां	—	—	रे	सा					
मा	ऽ	ऽ	ऽ	वू					

अंतरा

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					ग	ऽ	मं	मं	ध
					ऊ	—	र	हो	ऽ
सां	सा	सां	—	सां	ध	नी	सां	रें	गं
गु	न	मा	ऽ	नू	औ	र	डा	ऽ	रू
ग	सां	ध	ध	ध	सा	रे	ग	मं	ग
ग	ले	हा	ऽ	र	स	दा	रौं	ऽ	ग
सां	सां	सां	रें	सा					
पि	या	अ	ऽ	ब					

राग—गुजरी तोडी—ताल—आडयाचौंताल

गावो गावो गावो गावो सब सखियन मिल जावो जावो ॥धृ०॥ सुभ घरी सुभ दिन लगन धरायो सदा रंग घर बाज बधायो ॥

राग—गुजरी तोडी—ताल—आडयाचौंताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	० ५	६	३ ७	८	० ९	१०	४ ११	१२	० १३	१४
						सा	—	रे	ग	—	मं	ध	नी
						गा	ऽ	वो	गा	ऽ	वो	गा	ऽ
ध	—	मं	ग	रे	सा	सा	रे	ग	ग	मं	म	ध	ध
वो	ऽ	गा	ऽ	ऽ	वो	स	ब	स	खि	य	न	मि	ल
ध	रें	नी	ध	ध	—								
जा	ऽ	वो	जा	वो	ऽ								

अंतरा

+ १	२	२ ३	४	० ५	६	३ ७	८	० ९	१०	४ ११	१२	० १३	१४
		सा	रे	ग	ग	मं	मं	ध	ध	ध	सां	सां	सां
		सु	भ	घ	रि	सु	भ	दि	न	ल	ग	न	ध
सां	—	सां	ध	नी	रें	गं	रें	सां	सां	नी	ध	मं	—
रा	ऽ	यो	ऽ	स	दा	ऽ	रौं	ऽ	ग	घ	र	वा	ऽ
ग	मं	ग	रे	सा	—								
ज	ब	धा	ऽ	वो	ऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—मियाँकी तोडी—ताल—त्रिताल

मसलत पुछ दिया तुसा तुसि आवे सहेलरियो ।। ध्रु० ।। घन दिना मनु राजन मनुवे लख लख मानु दिया तुसा तुसि आवे सहेलरियो ।।

आरोह :—सा रे॒ ग॒ मं प ध॒ नी सां ।

अवरोह :—सां नी ध॒ प मं ग॒ रे॒ सा ।

इस राग का वादी स्वर धैवत है और संवादी स्वर गंधार है। यह राग संपूर्ण है।

राग—मियाँकी तोडी—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								मं	नी	ध॒	प	प	मं	प	ध॒
								म	स	ल	त	पु	छ	दि	या
मंप	ध॒प	ग॒	–	–	–	सा	सा	सा	रे॒	ग॒	ग॒	मं	–	ध॒	नी
तुऽ	ऽऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	तु	सी	आ	ऽ	वे	स	हे	ऽ	ल	रि
सांरें॒	सांसां	पध॒	पप	पध॒	मंमं	ग॒रे॒	सा								
योऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ								

अंतरा

								–	ग॒	ग॒	ग॒	मं	–	ध॒	ध॒
								ऽ	ध	न	दि	ना	ऽ	म	नु
सां	–	सां	सां	सां	सां	सां	–	रें॒	गं॒	रें॒	सां	सां	नी	सां	रें॒
रा	ऽ	ज	न	म	नु	वे	ऽ	ल	ख	ल	ख	म	नु	दि	या
नीसां	रेंसां	ध॒	–	–	–	सा	सा	सा	रे॒	ग॒	ग॒	मं	–	ध॒	नी
तुऽ	ऽऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	तु	सि	आ	ऽ	वे	स	हे	ऽ	ल	रि
सांरें॒	सांसां	पध॒	पप	पध॒	मंमं	ग॒रे॒	सा								
योऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

राग—शुद्ध सारंग—ताल—झपताल

परम सुजान सुगर चतर तू तो का कहुं हितकी मैं वितकी मैं तोरी ॥ध्रु०॥ मैं तो अनारी जानत तुम तो सदा रंगीले मेरे छबिले ॥

आरोहावरोह:—सा रे म रे प मंप धप नीसां नीप म रे सा। (मंपधप म रे)

इस राग का वादी स्वर ऋषभ और संवादि स्वर पंचम है।

राग—शुद्ध सारंग—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					म	रे	सा	नी	सा
					प	र	म	ऽ	सु
नी	—	—	नी	—	सा	रे	मं		मं
जा	ऽ	ऽ	न	ऽ	सु	ग	र	ऽ	च
प	मं	प	—	प	प	—	नीध	प	—
च	र	तू	ऽ	तो	का	ऽ	(काऽ)	हूं	ऽ
प	मं	प	—	प	म	रे	म	—	म
हि	त	की	ऽ	मे	चि	त	की	ऽ	मे
(मरे)	रे	सा	—	—					
(तोऽ)	ऽ	री	ऽ	ऽ					

अंतरा

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					प	—	नी	ध	नी
					मै	ऽ	तो	ऽ	अ
सां	—	सां	—	—	प	—	नी	सां	रें
ना	ऽ	री	ऽ	ऽ	जा	ऽ	न	ऽ	त
सां	नी	प	—	—	नी	सा	रे	मं	प
तु	म	तो	ऽ	ऽ	स	दा	रं	गी	ली
मं	प	मं	ध	प					
मे	रे	छ	बि	ले					

राग—शुद्ध सारंग—ताल—आडाचौताल

ऐरि आलि आलि पिया बिन मोहे परत नही चैन ॥ ध्रु० ॥ जबसे गये सुध न लिनि अब काहे कहूं दुखकी चैन बैन ॥

राग—शुद्ध सारंग—ताल—आडाचौताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	० ५	६	३ ७	८	० ९	१०	४ ११	१२	० १३	१४
						रे	म	रे	म	—	सा	(नीसा)	(रेम)
						ये	ऽ	री	आ	ऽ	ली	(आऽ)	(ऽऽ)
नी	—	सा	—	सा	—	नी	सा	रे	मं	प	प	रे	म
ली	ऽ	आ	ऽ	ली	ऽ	पि	या	बि	न	मो	हे	प	र
प	ध	प	म	रे	रे								
त	न	हिं	चै	ऽ	न								

अंतरा

+ १	२	२ ३	४	० ५	६	३ ७	८	० ९	१०	४ ११	१२	० १३	१४
						नी	सा	रे	म	रे	—	रे	म
						ज	ब	से	ग	ये	ऽ	सु	ध
मं	प	—	प	प	प	प	म	प	(नीध)	प	प	म	प
न	ली	ऽ	नी	अ	ब	का	ऽ	से	(कऽ)	हूं	दु	ख	की
रे	म	रे	सा	—	सा								
चै	ऽ	न	व	ऽ	न								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

राग—विंद्रावनी सारंग—ताल—त्रिताल

नाम देरे देरे तन देरे तदानी नादिर दिर नादिर दिर तुं दिर दिर तुं दिर दिर द्रि तों ननन द्रि तॉं तनन ॥ ध्रु० ॥ यललि यललि यलि यलों यलों यलि यला यला किडनग तिरकिडतक धिर किडतक धा किडानुधा ताधा ॥

आरोह :—सा रे म प नी सां ।

अवरोह :—सां नी प म रे सा ॥

इस राग का वादी स्वर रिषभ है और संवादि स्वर पंचम है ।

राग—विंद्रावनी सारंग—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
नी	–	सां	नी	प	म	रे	रे	सा	नी	सा	पम	रे	–	सा	–
ना	ऽ	द्र	दे	रे	दे	रे	त	न	दे	रे	तऽ	दा	ऽ	नी	ऽ
सासा	नी	रेम	रे	मप	म	मनी	प	नी	सां	रेंनी	सां	सा	प	नीम	प
नादिर	दिरना	दिर	दिर	तुंदिर	दिर	तुंदिर	दिर	द्रि	तों	तन	न	द्रि	तॉं	तन	न

अंतरा

												रेम	रेम	पप	पप
												यल	लिय	ललि	यलि
नी	सांसां	सां	सांसां	सारें	सां	रें	नी	नी	नी	नी	नी	नी	नी	नी	मप
य	लॉय	लॉं	यलि	यला	यला	किड्नग		तिरकिट	तकधिर	किटतक		किडानुधा		ता	धाऽ
										धा					

राग—बसंत—ताल—झपताल (तीव्र धैवत प्रकार)

सब बन फूली आयेली बहार रुत बसंत की ॥ ध्रु० ॥ औलिया अंबिया सब मुराद मागत सदारंग भर पाई ॥

राग—बसंत—ताल—झपताल (मध्यलय)

(कोमल धैवत और पंचम वर्ज प्रकार)

अस्ताई

×		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					मं	ग	रें	सा	सा
					स	ब	ब	ऽ	न
सा	–	–	–	सा	नों	सा	म	–	म
फू	ऽ	ऽ	ऽ	ली	आ	ये	ली	ऽ	ब
म	–	पधपप	ग	ग	म	–	ध	–	नी
हा	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	र	रू	ऽ	त	ऽ	ब
ध	मप	गम	ग	रेसा					
सों	ऽऽ	ऽऽ	त	कीऽ					

अंतरा

					मं	ध	सां	–	सां
					औ	लि	या	ऽ	अं
सां	सां	–	सां	सां	सां	सां	–	–	सां
खि	या	ऽ	स	ब	मु	रा	ऽ	ऽ	दें
सां	–	नी	ध	नी	म	ग	रें	सा	सा
मा	ऽ	ग	ऽ	त	स	दा	रँ	ऽ	ग
प	प	प	ध	ग					
भ	र	पा	ऽ	ई					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—वसंत—ताल—एकताल

(कोमल धैवत और पंचम वर्जित प्रकार)

गुंद गुंद लावो चतुर सुगर मालनिया फुलवनके गेंद नये ॥ धृ०॥ मौंमंदसा सदा रंगीले आवत घर अब मोरे वेग वेग आवो ॥

आरोहावरोह:—नी सा म म, प ध, ग मं ध नी ध सां।
सां नी ध, नी मं ग मं ग रे सा॥

राग—वसंत—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
नी	-	ध	मं	ग	मं	मं	ग	रे	सा	सा	-
गुं	ऽ	द	गुं	ऽ	द	ला	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ
सा	नी	सा	म	म	म	म	-	म	म	म	ग
च	तु	र	सु	ग	र	मा	ऽ	ल	नि	या	ऽ
ग	ग	मं	म	ध	-	सां	-	सां	रेंसां	नी	-
फु	ल	व	न	के	ऽ	गें	ऽ	द	नऽ	ये	ऽ

अंतरा

मं	ध	सां	सां	सां	-	सां	सां	सां	सां	-	सां
मौं	ऽ	म	द	सा	ऽ	स	दा	रं	गी	ऽ	ले
सां	-	सां	सां	सां	सां	नी	सां	नीसां	रेंसां	नी	ध
आ	ऽ	व	त	घ	र	अ	ब	मोऽ	ऽऽ	रे	ऽ
नी	-	सां	गं	-	मं	गं	रें	सां	-	सां	-
वे	ऽ	ग	वे	ऽ	ग	आ	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ

राग—वसंत—ताल—त्रिताल

फुलवनकी कलिया हस हस डार पियाके गलिया ॥ धृ०॥
जो पिया आवे मोरे मंदरवा यार बारमें ये हुं बलैया ॥

आरोहावरोह:—साग मंध रेंसां रेंनींधप मग गमधगमग रेसा ॥

इस राग का वादी स्वर षड्ज है और संवादी स्वर पंचम है।

राग—वसंत—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १ २ ३ ४	२ ५ ६ ७ ८	० ९ १० ११ १२	३ १३ १४ १५ १६
		सां सां नी धु	प - मं ग
		फु ल व न	की ऽ क लि
		सा सा म म	म - म म
		ह स ह स	डा ऽ रु लि
म - ग मं	ग रे सा -		
या ऽ ऽ ऽ	क लि या ऽ		
ग मं धु सां	नी धु प -		
या ऽ के ऽ	ग लि या ऽ		

अंतरा

		मं धु सां सां	सां - सां -
		जो ऽ पि या	आ ऽ वे ऽ
		सां नी धु प	- प म ग
		बा ऽ र वा	ऽ र मे ऽ
सां - सां रें	नी धु नी -		
मो ऽ रे मं	द र वा ऽ		
मं - ग मं	ग रे सा -		
ये ऽ हुं ब,	लै ऽ या ऽ		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—जयजयवंती—ताल—झपताल

ताल सुर भेद को भेद को जो जानी सो गुनी सब माने ॥ध्रु०॥
सब सुरन वरन विकृती द्वादशको कौन गत कर दिखावे सो गुनी सब माने ॥

आरोहावरोह स्वरूप :—सा रे रेगुरेसा नीधप रेग, मपनीसां ।
सांनीधप, धम रे गुरेसा ॥

इस राग का वादी स्वर रीषम और संवादी स्वर पंचम है ।

राग—जयजयवंती—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					रे	–	रे	ध	नी
					ता	ऽ	ल	सु	र
रे	–	सा	रे	–	ग	–	ग	म	–
भे	ऽ	द	कों	ऽ	मे	ऽ	द	को	ऽ
म	–	मरेगानी	नी	नी	म	प	नी	नी	नी
जो	ऽ	जाऽऽऽ	ऽ	नी	सो	ऽ	गु	ऽ	नी
सा	सा	रेनी	सा	सा					
स	व	माऽ	ऽ	ने					

अंतरा

					म	प	सां	–	नीं
					स	ऽ	प्त	ऽ	सुं
					ग	नी	सां	–	रेंसा
सां	सां	नी	सां	सां					
					वि	कृ	ती	ऽ	दाऽ
र	नं	वं	र	न					
					ध	–	म	ग	रे
नी	नी	ध	प	ऽ	कौं	ऽ	ट	ग	त
गु	श	को	ऽ	ऽ	म	प	नी	नी	नी
रे	सां	रे	नी	ध	सो	ऽ	गु	ऽ	नी
कें	र	दि	खा	वे					
सा	सा	रेनी	सा	सा					
स	व	माऽ	ऽ	ने					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—जयजयवंती—ताल—तिताल

कुंजन में आजि श्याम श्याम रे ब्रिज बालन संग खेल खेलत है। रंग रंग की फाग रचोरी ॥ धु० ॥ अबीर गुलाल की धूम मची है गावत सी की तान तानरे ॥

राग—जयजयवंती—ताल—तिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								सा	नी	सा	रे	सा	-	ध	नी
								कु	ऽ	ज	न	मे	ऽ	आ	जि
रे	-	रे	ग	ग	म	ग	रे	सा	सा	मारे	ग	रे	सा	सा	सा
शा	ऽ	म	शा	ऽ	म	रे	ऽ	ब्रि	ज	बाऽ	ऽ	ल	न	सं	ग
सा	-	सा	रे	नी	सा	नी	ध	सा	-	सा	ध	-	प	ध	-
खे	ऽ	ल	खे	लै	त	हैं	ऽ	रं	ऽ	ग	रं	ऽ	ग	की	ऽ
नीध	ध	प	धप	म	-	ग	रे								
फाऽ	ऽ	ग	रऽ	चो	ऽ	री	ऽ								

अंतरा

								म	प	नी	नी	सां	-	नी	सां
								अ	बी	र	गु	ला	ऽ	ल	की
सां	-	सां	रें	नी	नी	ध	प	प	ध	नी	रें	सां	-	नीध	प
धू	ऽ	म	म	चि	ऽ	है	ऽ	गा	ऽ	व	त	नी	ऽ	कीऽ	ऽ
पध	पम	म	ग	ग	ग	ग	रे								
ताऽ	ऽऽ	न	ता	ऽ	न	रे	ऽ								

राग—जयजयवंती—ताल—आड़ाचौताल

साच साच साच कहो मोहें प्रीत लगी किन सौतनसे ॥धु०॥ प्रीत रीत बिसराई आवनकी सुध न रही सदारंग तोसे ॥

राग—जयजयवंती—ताल—आड़ाचौताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२	०	०		३		०		४		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
						गम	पम	ग	रेग	मग	रे	सा	-
						माऽ	ऽऽ	च	माऽ	ऽऽ	च	सा	ऽ
सा	रे	सा	-	नी	ध	ध	नी	रे	सा	रे	-	ग	रे
च	क	हो	ऽ	मो	हें	प्री	ऽ	त	ल	गी	ऽ	कि	न
ग	म	प	म	ग	रे								
लैं	ऽ	त	न	से	ऽ								

अंतरा

म	प	नी	सां	-	नी	सां	नी	सां	-	सां	-	नी	-
प्री	ऽ	त	री	ऽ	त	बि	स	रा	ऽ	ई	ऽ	आ	ऽ
नी	नी	सां	सां	सां	रेंसां	नी	ध	प	-	ध	म	-	ग
व	न	की	ऽ	सु	धऽ	न	र	ही	ऽ	स	दा	ऽ	रं
रे	रे	रे	सा	रे	-								
ऽ	ग	तो	ऽ	से	ऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—देस—ताल—झपताल

अरज सुनो मोरी इतनी प्रभुराज पार करोजी नैया हमारी ॥छू०॥ पैंया परत हुं सीस नमावत डुवत है अब कर नाही देरी ॥
आरोह-अवरोह :—सा रे म प नी सां । सां नीधप मग रे ग सा ॥

इस राग का वादी स्वर पंचम और संवादी स्वर रीषभ है।

राग—देस—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					नी	सा	रे	म	प
					अ	र	ज	ऽ	सु
नी	–	नं	सां	सां	प	नी	नीसां	रें	रेंसां
नो	ऽ	मो	ऽ	री	इ	त	नीऽ	ऽ	प्रऽ
नी	–	ध	–	प	रे	रे	रे	–	प
भू	ऽ	रा	ऽ	ज	पा	ऽ	र	ऽ	क
म	ग	रे	ग	सा	रे	म	प	–	–
रो	ऽ	ऽ	ऽ	जी	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ
नी	पनीसांरें	सांनीधप	मगरेसा	सा					
ह	माऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	री					

अंतरा

					म	प	सां	–	नी
					पैं	ऽ	या	ऽ	पं
सां	नी	सां	–	–	नी	–	सां	–	रें
र	त	हूं	ऽ	ऽ	सी	ऽ	स	ऽ	न
नी	–	ध	–	प	मं	रें	रें	रें	प
मा	ऽ	व	ऽ	त	डु	ऽ	व	ऽ	त
म	ग	रें	ग	सा	नीं	सा	रें	म	प
है	ऽ	अ	ब	ऽ	क	र	ना	ऽ	ऽ
प	पनीसांरें	सांनीधप	मगरेसा	सा					
हिं	देऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	री					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग—देस—ताल—त्रिताल

श्यावरिया मोहन प्यारे तुंने चिन मोरा घबराय डारोरे ॥धृ०॥ मैं नट खटके जाती वृंदावन कुंज गलीनमो घेरो रे कोई छुडावो नंदलालसे पकरत चोर हमारो रे ॥

राग—देस—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								सां	–	नी	ध	म	–	रे	ग
								ला	ऽ	व	री	या	ऽ	मो	ऽ
सा	रे	म	–	–	प	–	–	म	म	प	सां	नी	सां	नी	सां
ह	न	प्या	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	तुं	ने	चि	न	मो	रा	घ	ब
नीसां	सांरें	रें	नी	–	ध	प	–								
राऽ	ऽऽ	य	डा	ऽ	रो	रे	ऽ								

अंतरा

+				२				०				३			
								म	–	म	म	प	प	नी	–
								मैं	ऽ	न	ट	ख	ट	के	ऽ
सां	–	सां	सां	नीसां	रें	रें	रें	नी	–	ध	नी	ध	नी	प	ध
जा	ऽ	ती	वृं	दाऽ	ऽ	व	न	कुं	ऽ	ज	ग	ली	न	मो	ऽ
सां	–	नी	ध	–	प	–	–	नी	–	ध	नी	ध	नी	प	ध
घे	ऽ	रो	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	को	ऽ	ई	छु	डा	ऽ	वो	ऽ
सां	–	सां	नी	–	ध	प	–	म	प	नी	नी	सां	–	सां	सां
नं	ऽ	द	ला	ऽ	ल	से	ऽ	प	क	र	त	चो	ऽ	र	ह
नीसां	–	नीसां	रेंनी	ध	–	प	–								
माऽ	ऽ	रोऽ	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ								

राग—देस—ताल—एकताल

रैन गई सखी कटत निंद नही तरफत मै पिया बीन मोहे नाही चैन ॥ धृ० ॥ जो देखु इत उतको साथ नही संगत कोई ॥

राग—देस—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
										रे	–
										रे	ऽ
रे	प	म	ग	रे	ग	रे	सा	नी	सा	नी	सा
न	न	ई	ऽ	ऐ	ऽ	लि	क	ट	त	नी	ऽ
रे	रे	रे	म	म	म	प	म	प	–	म	प
द	न	ही	ऽ	त	र	फ	त	मैं	ऽ	पि	या
नी	सां	रें	सां	नी	ध	प	म	म	रें		
बि	न	मो	हे	ना	ऽ	हि	चै	ऽ	न		

अंतरा

+		०		२		०		३		४	
										म	प
										ओ	ऽ
नी	–	नी	–	नी	नी	सां	नी	सां	–	प	नी
दे	ऽ	खू	ऽ	इ	त	उ	त	को	ऽ	सा	ऽ
सां	रें	सां	–	नी	ध	प	म	ग	रें		
य	न	हि	ऽ	सौं	ऽ	ग	त	को	ई		

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—भिमपलास—ताल—झपताल

सबही गुनी जानो नाद के भेद को कर के दिखावे जो ॥ ध्रु० ॥ आरोही अवरोही अस्ताई संचाई मनरंग कहे साच जो जाने सो माने ।

आरोह:—नी सा गमपनीसां ।

अवरोह:— सां नी ध प म ग रे सा ॥

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षड्ज है ।

राग—भिमपलास—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

x १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					नी	ध	पन	ग	म
					त	ब	हिऽ	गु	नि
ध	नी	प	नी	सां	प	–	धप	ग	–
आ	ऽ	रो	ऽ	ऽ	ना	ऽ	दऽ	के	ऽ
सा	ग	मग	रे	सा	ग	म	प	नी	नी
भे	ऽ	दऽ	को	ऽ	क	र	के	ऽ	दि
पनी	सांग	रें	सां	सां					
खाऽ	ऽऽ	वे	ऽ	जो					

अंतरा

					प	–	ग	म	म
					आ	ऽ	रो	ऽ	हि
प	नी	सां	ऽ	सां	प	नी	सां	–	मं
अ	व	रो	ऽ	हि	अ	ऽ	स्ता	ऽ	ई
नी	–	ध	–	प	म	प	ग	ग	ग
सं	ऽ	चा	ऽ	ई	म	न	रो	ऽ	ग
म	ग	रे	–	सा	ग	म	प	नी	नी
क	हे	सा	ऽ	च	जो	ऽ	जा	ऽ	ने
नी	–	पनी	सांरें	सां					
सो	ऽ	नाऽ	ऽऽ	नु					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—भिमपलास—ताल—एकताल

तुम्ही सो लागी लागी पिया प्रीत नई नई नई न्यारी ॥ध्रु०॥ जो आवो घर मोरे गुन मानु मैं तोरे सदा कहत सदारंग अबतोरे।

राग—भिमपलास—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
						रेसा	नीसा	गम	पनी	सांगं	रें
						तुऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	मि
सां	-	-	नीध	प	प	मप	पनी	प	ग	ग	ग
सां	ऽ	ऽ	लाऽ	ऽ	गी	लाऽ	ऽऽ	गी	ला	ऽ	गी
ग	ग	ग	रे	-	सा	नी	सा	म	म	म	-
पि	या	ऽ	प्री	ऽ	त	न	ई	ऽ	न	ई	ऽ
नी	नी	-	नी	सां	सां						
न	ई	ऽ	न्या	ऽ	रि						

अंतरा

ग	म	प	नी	नी	-	प	नी	सां	नी	सां	-
जो	ऽ	आ	ऽ	वो	ऽ	घ	र	मो	ऽ	रे	ऽ
प	नी	सां	नी	सां	-	सां	नी	ध	-	प	-
गु	न	मा	ऽ	नु	ऽ	मैं	ऽ	तो	ऽ	से	ऽ
ग	ग	ग	प	म	प	ग	ग	ग	रे	-	सा
मा	ऽ	च	क	ह	त	स	दा	ऽ	रं	ऽ	ग
नी	नी	प	नी	सां	-						
अ	ब	तो	ऽ	से	ऽ						

राग—भिमपलास—ताल—त्रिताल

भला करें पिरभौंचा मुरंद बल्ला पंढरपुरवाला ॥ध्रु०॥ नहीं लगते कछु देग कटोरी डोरी दूध भरनक प्याला दे मुठ भर बिरदे डाले अंदर संथ करें गोपाल काला ॥

राग—भिमपलास—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								नीस	ग	-	मग	रे	नी	सा	ग
								भऽ	ला	ऽ	कऽ	रे	ऽ	पि	र
रे	-	सा	-	सा	-	रेसा	नी	प	-	नी	-	सा	सा	सा	सा
भौं	ऽ	चा	ऽ	मु	ऽ	रंऽ	द	ब	ऽ	ल्ला	ऽ	पं	ऽ	ढ	र
सा	नी	सा	म	ग	-	गम	पनी								
पु	र	वा	ऽ	ऽ	ऽ	लाऽ	ऽऽ								

अंतरा

								प	प	प	प	प	-	ग	म
								न	हि	ल	ग	ते	ऽ	द	कु
प	-	नी	नी	सां	-	सां	-	प	प	नीं	नी	ध	नी	सां	रें
दे	ऽ	ग	र्क	डो	ऽ	री	ऽ	द	हि	दू	घ	भ	र	न	क
नी	नी	ध	प	प	प	-	-	प	प	प	प	म	धप	ग	म
प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	मु	ठ	भ	र	बि	रऽ	दे	ऽ
ग	म	प	नी	सां	-	नी	सां	गं	गं	सां	रें	सां	-	-	नीध
डा	ऽ	ले	ऽ	अं	ऽ	द	र	सं	ऽ	थ	क	रे	ऽ	ऽ	गोऽ
प	-	ग	सा	रेसा	नीसा	गम	पनी								
पाऽ	ऽ	का	ऽ	लाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—बागेश्री—ताल—झपताल

अब आ रहूं मे तोरे नगरिया नाहक मोरी लाज लीवैया ॥ ध्रु० ॥ लिपट निठुर तु तो पिया सदारौंग जानत है सब ब्रिजके लुगैया ॥

आरोहावरोह:—नी सा ग॒म ध नी॒ सां। सां नी॒ ध प म ग॒ रे सा।

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादि स्वर षड्ज है।

राग—बागेश्री—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					ध	प	ग॒	ग॒	मग॒
					अ	ब	ना	ऽ	ऽऽ
म	–	म	–	–	ग॒	ग॒	रे	ग॒	म
हूं	ऽ	मे	ऽ	ऽ	तो	ऽ	रे	ऽ	न
ग॒	रे	सा	–	–	नी॒	सा	नी॒	ध	नी॒
ग	रि	या	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ह	ऽ	क
सा	–	म	–	–	म	–	मप	ध	प
मो	ऽ	रि	ऽ	ऽ	ला	ऽ	जऽ	ऽ	लि
ग॒	ग॒	रे	सा	–					
यै	ऽ	या	ऽ	ऽ					

अंतरा

					ग॒	म	नी॒	ध	नी॒
					नि	प	ट	ऽ	नि
नी॒	नी॒	सां	–	सां	सां	–	सां	–	रें
तू	र	तूं	ऽ	नों	पि	ऽ	या	ऽ	म
नी॒	–	ध	–	प	ध	म	–	प	ध
दा	ऽ	रौं	ऽ	ग	जा	ऽ	ऽ	न	त
ग॒	ग॒	रे	–	सा	नी॒	सा	म	ग॒	प
है	ऽ	स	ऽ	ब	ब्रि	ज	के	ऽ	लु
मप	–	ग॒	ग॒	रे					
गैऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—बागेश्री—ताल—एकताल

पिया ना मिले ना मिले ना मिले ना जानु कवन देस कवन घर बिरम रहे ॥ धृ० ॥ सुध न रही घर आवन तरफत हैं जिया उनबिन कहां करू कित जाऊं कलना परत घरी पल छिन ॥

राग—बागेश्री—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	० ३	४	५	६	० ७	८	३ ९	१०	४ ११	१२
						धनी	सां	नीध	पम	रें	सासा
						पिऽ	ऽ	याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
नी	–	सा	म	–	–	म	प	धप	गु	–	रे
ना	ऽ	मि	ले	ऽ	ऽ	ना	ऽ	मिऽ	ले	ऽ	ऽ
रेगु	म	गु	रे	सा	–	नी	सा	नी	सा	म	म
नाऽ	ऽ	मि	ले	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	जा	ऽ	नु
म	म	म	म	ध	ध	ध	प	ध	नी	नी	नी
क	व	न	दे	ऽ	स	क	व	न	घ	ऽ	र
ध	नी	ध	नी	धनी	सां						
बि	र	म	र	हेऽ	ऽ						

अंतरा

						म	म	म	नी	ध	–
						मु	ध	न	र	हिं	ऽ
सां	सां	सां	नी	मां	मां	नी	मां	नी	रें	मां	ऽ
घ	र	आ	ऽ	व	न	त	र	फ	त	है	ऽ
नी	सां	नी	सां	नी	ध	म	म	–	मगु	रें	सा
जि	या	उ	न	बि	न	क	हां	ऽ	कऽ	रू	ऽ
नी	सा	म	–	म	–	ध	नी	मां	गुं	रें	सां
कि	न	जा	ऽ	ऊं	ऽ	क	ल	ना	प	र	त
नी	सां	नी	ध	प	ध						
घ	रि	प	ल	छि	न						

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—बागेश्री—ताल—त्रिताल

पिया पिया अंबिया अंबिया अब की देर मोहे जानेदे सैंया हां ॥ ध्रु० ॥ जो बन घरकत जियरा दरपत सदारँग मे लागु तोरे पैया ॥

राग बागेश्री—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	३	४	२ ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२	३ १३	१४	१५	१६
								सां	–	नी	सांनी	ध	–	म	ग
								पि	ऽ	या	पीऽ	या	ऽ	अं	बि
ध	–	–	–	म	ग	रे	सा	सा	नी	सा	म	–	म	म	म
या	ऽ	ऽ	ऽ	अं	बि	या	ऽ	अ	ब	की	दे	ऽ	र	मो	हे
सां	–	नी	ध	म	ग	म	–								
जा	ऽ	ने	दे	सैं	या	हां	ऽ								

अंतरा

+ १	२	३	४	२ ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२	३ १३	१४	१५	१६
								ग	म	नी	ध	नी	सां	सां	सां
								जो	ऽ	ब	न	घ	र	क	त
नी	सां	सां	रें	नी	सां	नी	ध	म	ध	नी	सां	–	नी	ध	–
जि	य	रा	ऽ	द	र	प	त	स	दा	ऽ	रँ	ऽ	ग	मे	ऽ
म	–	ग	म	ग	रे	–	सा								
ला	ऽ	गू	तो	रे	पैं	ऽ	या								

राग—सुगराई—ताल—झपताल

आवो ब्रिजराज मोरे मंदरमे वाटतकत तोरी सबही लोगवा ॥ ध्रु० ॥ भोर भई है देखो कुंजन मे का कहुं अब तोसे प्यारे सुंदरवा ॥

आरोहावरोह स्वरूप :—सा गुमप नीसां नी नीप मप गुमरेसा ।

इस राग का वादी स्वर पंचम और संवादी षड्ज है।

राग—सुगराई—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					नी	प	ग	ग	म
					आ	वो	ब्री	ऽ	ज
प	म	नी	प	प	ग	ग	ग	ग	म
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ज	मो	ऽ	रे	ऽ	मं
रे	रे	सा	–	–	नी	सा	रे	म	म
द	र	मे	ऽ	ऽ	वा	ऽ	ट	ऽ	त
प	म	प	–	प	म	प	नीसां	रें	–
क	ब	तो	ऽ	रि	स	थ	हिऽ	ऽ	ऽ
सां	नी	प	–	म					
लो	ग	वा	ऽ	ऽ					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

					म	प	नी	प	प
					भी	ऽ	र	ऽ	भ
नी	सां	नी	सां	-	नी	सां	नीसां	रें	सां
दे	ऽ	ऽ	है	ऽ	दे	ऽ	खोऽ	ऽ	कुं
नी	सां	नी	प	-	ग	-	ग	ग	म
अ	म	मे	ऽ	ऽ	का	ऽ	क	ऽ	इं
रे	सा	रे	-	सा	रेंनी	सा	गं	गं	मं
ब	ब	तो	ऽ	स	प्याऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
रेंसां	नी	सां	नी	प					
सुऽ	द	र	वा	ऽ					

राग—सुहा—ताल—त्रिताल

बोल न सुनावेरे मै कै कलना परत दिन रतिया ॥ ध्रु० ॥ आई दरद सो प्यारी पर गई इतना संदेसा कोऊ कहेवतिया ॥

आरोहावरोह स्वरूप :—नीसा गम पनीसां सांनीपम गमरेसा ।

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज है।

राग—सुहा—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ 1	2	3	4	२ 5	6	7	8	० 9	10	11	12	३ 13	14	15	16
								पनी	पम	पनी	सारें	सांनी	पम	गरे	सारे
								बोऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	लऽ	नऽ	ऽऽ	सु
ग	-	प	ग	म	रे	-	सा	सा	नी	सा	रे	रे	मरे	म	म
ना	ऽ	वे	रे	ऽ	मै	ऽ	कै	क	ल	ना	प	र	तऽ	दि	न
पनी	पम	पनी	सारें	सांनी	पम	गम	-								
रऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	तीऽ	याऽ	ऽऽ	ऽऽ								

अंतरा

								म	प	नी	प	नी	सां	नी	सां
								आ	ऽ	ई	द	र	द	सो	ऽ
नी	सां	रें	सां	नी	सां	नी	प	म	प	नी	सां	रें	गंमं	रें	सां
प्या	ऽ	रि	प	र	ऽ	ग	ई	इ	त	ना	सं	दे	साऽ	को	ऊ
सां	नी	सां	नी	पनी	सांनी	पनी	सांनी								
क	हे	व	ति	याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सुहा—ताल—एकताल

तु है मौमदसा दरबार निजामुद्दीन सुजानी ॥ धृ० ॥ जोही जोही ध्यावे सोहि फल पावे सदारंग तेरो गुन गावे निजामुद्दीन सुजानी ॥

राग—सुहा—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सां	–	नी	प	ग	म	रे	सा	रे	सा	सा	रे
तु	ऽ	है	ऽ	मौ	ऽ	म	द	सा	ऽ	द	र
ग	–	–	–	म	म	म	नी	प	नी	म	प
बा	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ	नि	जा	ऽ	मु	ऽ	ऽ
सां	–	–	नी	प	प	मप	नीप	–	ग	–	म
दी	ऽ	ऽ	न	ऽ	सु	जाऽ	ऽऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ

अंतरा

म	म	प	सां	–	नी	सां	–	नी	सां	रें	सां
जो	ही	जो	ही	ऽ	ध्या	वे	ऽ	सो	हि	फ	ल
नीसां	रेंसां	नी	प	म	प	नी	सां	रें	मं	रें	सां
पाऽ	ऽऽ	वे	ऽ	स	दा	रं	ग	ते	ऽ	रो	ऽ
नी	सां	नी	सां	नी	प	प	नी	प	नी	म	प
गु	न	गा	ऽ	वे	ऽ	नि	जा	ऽ	मु	ऽ	ऽ
सां	–	–	नी	प	प	मप	नीप	–	ग	–	म
दी	ऽ	ऽ	न	ऽ	सु	जाऽ	ऽऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ

राग—दरबारी कानडा—ताल—झपताल

पि हरवा मोरी बैंया परत गई अब सैंया ॥ धृ० ॥ सुघर चतर तुम तो सदारंग रंग रंगीले मोरे सैंया ॥

आरोहावरोह :—नीसा रेग रेसा । मपधनीसां सांधनीप मप ग मरेसा

इस राग का वादी स्वर गंधार और संवादी स्वर पंचम है ।

राग—दरबारी कानडा—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					नीसा	सा	रे	ध	नी
					पिऽ	ह	र	वा	ऽ
सा	रे	प	ग	ग	मरे	सा	रे	नी	सा
मो	रि	बैं	या	ऽ	पऽ	र	त	ग	ई
रे	सा	ग	ग	ग					
अ	ब	सैं	ऽ	या					

अंतरा

म	म	म	म	म					
ग	ग	ग	ग	ग	ग	म	प	रें	सां
सु	घ	र	च	त	र	तु	म	तो	ऽ
ग	ग	म	प	प	म	प	नी	प	प
स	दा	रं	ऽ	ग	रं	ग	रं	गी	ले
गम	रेसा	रे	–	ग					
मोऽ	रेऽ	सैं	ऽ	या					

564

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—दरबारी कानडा—ताल—त्रिताल

पिया तोरे मन कौन बसे ... कहो मोसे ॥ धृ० ॥
तुमरे कारन सेज सजी तुम तो सौतन घरको नित जाय बसे ॥

राग—दरबारी कानडा—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
						प	म	प	स	म	रे
						पि	या	तो	रे	म	न
मा	-	रे	द	ग	-	ग	ग	म	नी	प	प
कौं	ऽ	न	व	से	ऽ	सा	ऽ	च	सा	ऽ	च
ग	ग	म	रे	-	सा						
क	हो	ऽ	मो	ऽ	से						

अंतरा

म	म	म	प	ध	ध	नी	-	सां	नी	सां	-
तु	म	रे	का	र	न	से	ऽ	ज	रू	जी	ऽ
सां	नी	सां	रें	नी	सां	नी	म	प	-	रे	सा
तु	म	तो	सो	त	न	घ	र	को	ऽ	नि	त
सा	-	रे	प	ग	ग						
जा	ऽ	य	ब	से	ऽ						

राग—दरबारी कानडा—ताल—त्रिताल

राघोजी प्यारे फुलोंदी मालन छावोरे राम लला कवन विध पायो ॥ धृ० ॥ मन प्रमोदकी कुंज गलीन मो धुंडत जो कछु पावेगो ॥.

राग—दरबारी कानडा—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
													प	म	प
													रा	घो	जी
ध	-	नी	-	सा	रे	सा	रे	ग	-	ग	-	-	रे	सा	रे
प्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नु	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	फु	लों	दि
ग	-	-	गम	म	रे	सा	रे	रे	सा	-	-	-	रे	सा	रे
मा	ऽ	ऽ	ऽऽ	ल	न	ऽ	छा	वो	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽम	ल
ग	-	-	नी	प	म	रे	सा	नीसा	रेसा	ध	नी	-			
ला	ऽ	ऽ	क	व	न	वि	ध	पाऽ	ऽऽ	यो	ऽ	ऽ			

अंतरा :

म	मं	म	प	-	म	प	-	नी	प	प	नी	म	प	सां	-
म	न	प्र	मो	ऽ	द	की	ऽ	कुं	ऽ	ज	ग	ली	न	मो	ऽ
नी	-	प	म	रे	-	सा	सा	नीसा	रे	सा	ध	नी			
धुं	ऽ	ड	त	जो	ऽ	क	छु	पाऽ	ऽ	वे	गो	ऽ			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—मालकौंस—ताल—झपताल

कुंवर मद बनकी बसिया रसिया ॥ ध्रु० ॥ निके नाचगत लें गावत कीर्तन ॥

आरोहावरोह :—नी सा गु म ध नी सां । सां नी ध म गु सा ।

इस राग का वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज है ।

राग—मालकौंस—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					सा	गु	म	[illegible]	[illegible]
					लें	गा	ऽ	[illegible]	[illegible]
ध	म	धनी	सा	सा	सा	गु	म	-	म
द	ऽ	वऽ	न	की	ब	सी	ऽ	ऽ	या
गु	गु	म	म	सा					
र	सि	ऽ	ऽ	या					

अंतरा

गु	-	म	नी	ध	नी	सां	सां	सां	-
नि	ऽ	के	ना	ऽ	च	ग	त	ले	ऽ
नी	नी	सां	-	सां	ध	नी	ध	म	-
गा	ऽ	व	ऽ	त	नि	ऽ	की	ऽ	ऽ
गुमधनी	सांनीधनी	मांनीधम	गुमागुसा	सा					
नाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	न					

राग—मालकौंस—ताल—त्रिताल

देहो दरस मोहे राम राम अब तुमरे दरस बीन तरसत हुं मैं ॥ ध्रु० ॥ कहातक बाटनकूं मैं तोरी बीत गयो मेरो जनम जनम सब ॥

राग—मालकौंस—ताल—आडाचौताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
									म	गु	म	गु	मा	ध	नी
									दे	हो	द	र	स	मो	हे
ध	-	नी	सा	-	सा	सा	सा	सा	नी	सा	सा	म	म	म	म
रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	अ	ब	तु	म	रे	द	र	स	बी	न
गु	सा	गु	म	गु	सा	सा	-								
त	र	स	त	हुं	ऽ	मैं	ऽ								

अंतरा

									गुगु	गु	गु	म	-	म	नी
									कहां	त	क	बा	ऽ	ट	न
नी	सां	-	सां	-	सां	-	-	नी	-	सां	गुं	सां	-	ध	नी
कु	मैं	ऽ	तो	ऽ	री	ऽ	ऽ	बि	ऽ	त	ग	यो	ऽ	मे	रो
गु	म	गु	म	गु	सा	सा	सा								
ज	न	म	ज	न	म	स	ब								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—मालकौंस—ताल—आड़ाचौताल

रघुबीर को चरण धर नरवर नित बालक मनमोहन अवर ॥ धृ० ॥ सुंदर चाप धर जानकी वर देत सीर अभय कर फिर काल चकर कर ॥

राग—मालकौंस—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२		०		३		०		४		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
सां	नी	सां	नी	ध	म	ग	ग	सा	सा	नी	सा	ध	नी
र	घु	बी	र	को	म	र	म	ध	र	न	र	व	र
नी	सा	म	–	म	म	ग	म	म	ध	नी	सां	नी	सां
लि	स	बा	ऽ	स	ध	म	म	मो	ध	र	अ	द	र

अंतरा

						ग	ग	ग	सा	ग	म	ग	
						गुं	ऽ	रु	र	चा	ऽ	प	ध
ध	म	ध	नी	सां	–	सां	सां	ध	नी	सां	गं	सां	ध
र	आ	ऽ	न	की	ऽ	च	र	[illegible]	ऽ	त	सी	र	आ
नी	ध	म	म	सा	सा	सा	नी	सा	सां	नी	सां	ध	नी
म	ह	क	र	कि	र	का	ऽ	ल	प	क	र	क	र

राग—अडाणा—ताल—झपताल—(धैवत वर्जित प्रकार)

पायल मोरी बाजे बाजेरी बाजे कैसे कर जाऊं मैं अब तो पिया घर ॥ धृ० ॥ सास ननंद मोरी जनम की बैरन दुरजन लोक सब और जागे ॥

आरोहावरोह :—सा रे म प नी सां । सांनी प मप गुमरेसा ॥

इस राग का वादी स्वर तार षड्ज है और संवादी स्वर पंचम है ।

राग—अडाणा—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		२			०		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					नी	पम	प	ग	म
					पा	यऽ	ल	मो	रि
नी	ध	सां	–	–	नी	प	ग	ग	म
बा	ऽ	जे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	जे	ऽ	री
रे	–	सा	–	ऽ	नी	सा	रे	–	म
बा	ऽ	जे	ऽ	ऽ	कै	से	क	ऽ	र
म	प	नी	ध	प	म	प	नीसां	रें	रें
आ	ऽ	ऊं	ऽ	मे	अ	ब	तोऽ	ऽ	पि
नी	सां	नी	ध	प					
या	ऽ	घ	ऽ	र					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—अडाणा—ताल—त्रिताल

तॉं तन तन देरे ना तन नारे तनन नारे तिनतीं तान तन देरे ना दिं तनन तॉं तननननन ॥ ध्रु० ॥ तिननॉं तान तन नारे तनन नारे तॉं तन ननतन तॉं तन ननतन तिननि तान तन देरे ना दीं तनन तॉं तन ननतन ॥

राग—अडाणा—ताल—त्रिताल (मध्यलय) तराना

अस्ताई

+ १	२	३	४	२ ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२	३ १३	१४	१५	१६
								नी	ऽ	प	म	ग	म	प	सां
								तॉं	ऽ	त	न	न	न	दे	रे
नी	सां	-	नी	ध	नी	प	प	ग	ग	-	म	रें	सा	सा	सा
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	न	ना	रे	ऽ	त	न	न	ना	रे
रे	नी	सा	म	-	म	म	म	प	नी	प	नी	सां	सां	सां	सां
नि	त	नी	ता	ऽ	न	त	न	दे	रे	ना	दिं	ऽ	न	न	न
नी	सां	रें	सां	रें	सां	सां	नी								
तॉं	ऽ	त	न	न	न	न	न								

अंतरा

म	म	म	प	-	प	नी	प	नी	सां	-	रें	नी	सां	सां	सां
नि	त	नी	ता	ऽ	न	त	न	ना	रे	ऽ	त	न	न	ना	रे
नी	सां	रें	सां	रें	सां	रें	सां	नी	प	नी	प	नी	प	नी	प
तॉं	ऽ	त	न	न	न	न	न	तॉं	ऽ	त	न	न	न	न	न
म	म	म	प	-	प	नी	प	नी	सां	नी	सां	सां	सां	सां	सां
नि	त	नि	ता	ऽ	न	त	न	दे	रे	ना	दीं	ऽ	न	न	न
नी	सां	रें	सां	रें	सां	सां	नी								
तॉं	ऽ	त	न	न	न	न	न								

अंतरा

[illegible]

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—अडाणा—ताल—एकताल

तान बनी है अलैया सुरमे बली फत्ते अली हिंदमे सब जानत है पैछानत ॥ धृ०॥ जोही जोही सुनत वाको सोही सोही ये हि कहत कोट बरस दीन जीया यो याको अली ॥

राग—अडाणा—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
						नीसा	रेम	रेसा	रेम	पनी	पम
						नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
पनी	सारें	सां	सां	नी	प	गु	म	रेसा	रे	–	सा
ऽऽ	ऽऽ	न	ब	नी	ऽ	है	ऽ	अऽ	लै	ऽ	या
नी	सा	रे	प	गु	–	म	रे	–	रे	सा	सा
सु	र	मे	ब	ली	ऽ	फ	त्ते	ऽ	अ	ली	ऽ
म	म	प	–	नी	प	नी	सां	सां	नी	सां	–
हिं	द	मे	ऽ	स	ब	जा	ऽ	न	त	है	ऽ
नी	सां	नीसां	रें	रें	सां						
पै	ऽ	छाऽ	ऽ	न	त						

अंतरा

म	–	म	नी	प	म	नी	सां	नी	सां	–	सां
ओ	ऽ	हि	जो	ऽ	हि	सु	न	त	वा	ऽ	को
नी	–	सां	रें	–	सां	नी	सां	नी	नी	प	प
सो	ऽ	हि	सो	ऽ	हि	ये	ऽ	हि	क	ह	त
म	गु	म	नी	म	प	गु	म	रे	रे	–	सा
को	ऽ	ट	ब	र	स	दि	न	जी	या	ऽ	यो
सां	–	रें	रें	रें	सां						
या	ऽ	को	ऽ	अ	लि						

राग—भैरवी—ताल—त्रिताल

जल जमुना भरन कैसे जाऊं सखेरी डाडो मगमे कृष्ण मैको रोकत फिरत ॥ धृ०॥ नजर पियाने मोसे किनी बरजोरी बिनती करत पैंया परत धीर धरत नहीं पकर रात कृष्ण कान भयो अजात बात मोसे कहां करत ॥

राग—भैरवी—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
														रे	सा
														ज	ल
सा	रे	गु	म	रे	गु	मा	गुं	सा	गु	गु	म	गु	म	प	प
ज	मु	ना	भ	र	न	कै	से	जा	ऊं	स	खे	री	डा	ऽ	डो
गु	प	प	धु	–	प	म	गु	सा	रे	गु	म	रे	सा		
म	ग	मे	कृ	ऽ	ष्ण	मै	को	रो	क	त	फि	र	त		

अंतरा

														सा	प
														न	ज
प	ध	म	प	गु	म	प	नी	ध	प	गु	म	गु	प	प	ध
र	पि	या	ने	मो	से	कि	नी	ब	र	जो	रि	बि	न	ती	क
प	ध	प	म	म	प	म	प	ग	–	गु	म	गु	म	मा	मा
र	त	पैं	ऽ	या	प	र	त	धी	ऽ	र	ध	र	न	न	हि
गुम	प	म	रे	सा	सा	रे	नी	सा	सा	म	म	गु	म	पम	रे
पऽ	ऽ	क	रा	ऽ	[illegible]	कृ	ऽ	[illegible]	का	ऽ	न	भ	यो	अऽ	जा
सा	सा	प	–	ध	म	–	ध	प	प	–	नी	ध	प		
ऽ	त	बा	ऽ	त	मो	ऽ	से	क	हां	ऽ	क	र	त		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सिंध भैरवी—ताल—एकताल

बालम मोरे सैंया अब की बेर जाने दे मोहे छांडो छांडो मोरी बैंया । ध्रु०॥ हूं तो चली घर को अब नाहक मोहे रोकत है अब तो लागु तोरे पैंया ॥

आरोहावरोह :—सारेगुमपधुनीसां । सांनीधुपमगुरेसा ॥

यह राग संपूर्ण है । इसमें तीव्र रिषभ ही लगता है ।

राग—भैरवी—ताल—एकताल (मध्यलय)

अस्ताई

+		०		२		०		३		४	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
							रे	सा	नी	धु	प
							बा	ल	म	मो	रे
प	-	-	नी	सा	-	सा	गु	गु	गु	-	गु
सैं	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	अ	ब	की	बे	ऽ	र
रेगु	मगु	रे	सा	सा	सा	म	प	म	गु	म	गु
जाऽ	ऽऽ	ने	दे	मो	हे	छां	ऽ	डो	छां	ऽ	डो
रे	सा	नीसा	नी	सा	रे						
मो	रि	बैंऽ	ऽ	या	ऽ						

अंतरा

						गु	-	गु	गु	म	-
						हूं	ऽ	तो	च	ली	ऽ
गु	गु	मप	-	प	प	म	-	म	म	प	म
घ	र	कोऽ	ऽ	अ	ब	ना	ऽ	ह	क	मो	हे
पध	नीध	म	प	गु	रे	म	प	म	गु	म	गु
रोऽ	ऽऽ	क	त	है	ऽ	अ	ब	तो	ला	ऽ	गु
रे	सा	नीसा	नी	सा	रे						
तो	रे	पैंऽ	ऽ	या	ऽ						

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—भैरवी—ताल—त्रिताल

दारा द्रे तारेदानी दारा दारा दीं तॉं तनन तदरे दानी तदानी दीं तॉं तदन तदरे दानी तदानी ॥ ध्रु० ॥ दीं दीं तॉं तॉं तननन ननननन तदारे दानी तन तदानी दारा दारा दारा दारा ॥

राग—भैरवी—ताल—त्रिताल (मध्यलय) तराना

अस्ताई

+ १	२	३	४	२ ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२	३ १३	१४	१५	१६
								रे	-	सा	रे	नी	सा	ग	म
								दा	ऽ	रा	द्रे	ता	रे	दा	नि
प	म	-	म	गम	धनी	सां	सा	-	सा	-	ग	रे	सा	सा	सां
दा	रा	ऽ	दा	रा	ऽऽ	ऽ	दिं	ऽ	तॉं	ऽ	त	न	न	त	द
नी	सां	नी	ध	प	म	गम	धनी	सां	-	सा	सा	ग	रे	सा	रे
रे	दा	नि	त	दा	नि	दींऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तॉं	ऽ	त	द	न	त
नी	सा	रे	ग	म	रे	रे	सा								
द	रे	दा	नि	त	दा	ऽ	नि								

अंतरा

प	-	प	-	ध	प	ग	म	प	नी	ध	प	म	ग	रे	सा
दीं	ऽ	दीं	ऽ	तॉं	ऽ	तॉं	ऽ	त	न	न	नु	न	न	न	न
सा	ग	ग	म	-	म	ग	म	पम	रे	रे	सा	सा	सा	-	रे
त	दा	रे	दा	ऽ	नि	त	न	तऽ	दा	ऽ	नि	दा	रा	ऽ	दा
सः	-	सां	सां	-	रें	सां	-								
रा	ऽ	दा	रा	ऽ	दा	रा	ऽ								

राग—रामदासी मल्हार—ताल—झपताल

तेरोहि छेल मोसो करत बर जोरी ॥ ध्रु० ॥ जबहुं निकसूं पनिया भरन को बैंया पकरत झका झोरी ॥

आरोहावरोह :— नी सा रेगम प, पधनीसां सां रें नी सां नी प मप ग म रे सा।

इस राग को तीव्र गंधार लगता है। ये दो गंधार का राग है। बाकी चलन सब मिया मल्हार के सरिखा है॥

राग—रामदासी मल्हार—ताल—झपताल (मध्यलय)

अस्ताई

+ १	२	२ ३	४	५	० ६	७	३ ८	९	१०
					प	ग	ग	म	रे
					ते	ऽ	तो	ऽ	हि
रे	-	नी	सा	सा	नी	-	-	जा	सा
छे	ऽ	ऽ	ऽ	ल	मो	ऽ	ऽ	ऽ	सो
नी	सा	रे	ग	म	प	म	प	ग	ग
क	र	त	ऽ	ऽ	झ	र	ऽ	झो	ऽ
म	म	प	म	नी					
री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ					

अंतरा

					प	ध	नी	सां	नी
					ज	ब	हूं	ऽ	नि
सां	सां	सां	सां	सां	सां	नी	रें	रें	सां
क	ऽ	सूं	ऽ	ऽ	प	नि	ऽ	ऽ	या
रें	नी	सा	नी	प	म	म	म	म	प
म	र	ऽ	न	को	बैं	ऽ	या	ऽ	प
ग	ग	ग	म	म	प	म	प	ग	म
क	ऽ	रे	ऽ	त	झ	का	ऽ	झो	ऽ
म	म	प	म	नी					
री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ					

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

राग—सुर मल्हार—ताल—झपताल

चमकान लागी लागी विजलीया जोर जोर जोर जोर जोर बरसत गगन घन ॥ ध्रु० ॥ चौंचोर करे ठोर मुरलाकी गत न्यारी सदारंग रंगबीन तरसाई ॥

आरोहावरोह :—सा नीसा रेमरे मंप नीध नीमप नीसां । रें नीधप धमरे मरेसां ॥

इस राग का वादी मध्यम और संवादी षड्ज है । कोई पंचम भी वादी मानते है ॥

राग—सुर मल्हार—ताल—झपताल (मध्यलय).

अस्ताई

+		०			२		३		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
					नीप	पम	रे	—	सा
					चऽ	मऽ	का	ऽ	न
सां	—	नी	ध	प	रे	म	प	नी	धप
ला	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	गीऽ
म	रे	सा	सा	—	नी—सा	रेमरे	रेमरे	मपम	प—प
वि	ज	लि	या	ऽ	जोऽर	जोऽर	जोऽर	जोऽर	जोऽर
मप	नीसां	रेंनी	सांनी	—प					
बर	सत	गग	नघ	ऽन					

अंतरा

म	प	नी	ध	प	नी	नी	सां	सां	सां
चौं	ऽ	चो	ऽ	र	क	रे	ठो	ऽ	र
नी	नी	नी	सां	रें	नी	सां	नी	प	प
मु	र	ला	ऽ	की	ग	त	न्या	ऽ	रि
म	रेम	रे	—	सा	म	रे	मरे	प	पं
स	दाऽ	रीं	ऽ	ग	रं	ग	बीऽ	ऽ	न
रे	सां	नी	प	प					
त	र	सा	ऽ	ई					

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya Khairagarh LIBRARY 564

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सुर मल्हार—ताल—त्रिताल

प्रभु आवो आवो आवो मुरली बजावो जावो जावो ॥धृ०॥ जिस मुरलीने प्रल्हादिक मोहे लियो है सारो उस मुरलीने मोहे घबरायो कर लियो तन सारो मेरो ॥

राग—सुर मल्हार—ताल—त्रिताल (मध्यलय)

अस्ताई

+				२				०				३			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
								नी	सा	रे	म	प	म	प	सांनी
								प्र	भु	आ	ऽ	वो	ऽ	आ	ऽऽ
ध	ध	-	म	रे	-	सा	-	नी	सा	रे	रे	म	पम	प	-
वो	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	वो	ऽ	मु	र	ली	ब	जा	ऽऽ	वो	ऽ
मप	नीसां	रें	सां	नी	-	प	-								
आऽ	ऽऽ	ऽ	वो	आ	ऽ	वो	ऽ								

अंतरा

								म	म	म	म	प	-	नी	प
								जि	स	मु	र	लि	ऽ	मे	ऽ
नी	नी	नी	-	सां	-	सां	सां	सां	-	सां	सां	सां	-	नीध	म
प्र	ह	ल	ऽ	ला	ऽ	दि	क	मो	ऽ	हे	लि	यो	ऽ	हैऽ	ऽ
प	सांनी	ध	ध	-	-	-	-	नी	नी	नी	नी	नी	-	नी	-
सा	ऽऽ	रो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	स	मु	र	ली	ऽ	मे	ऽ
नी	ध	म	म	प	ध	प	-	म	म	म	प	नी	सां	सां	सां
मो	हे	घ	ब	रा	ऽ	यो	ऽ	के	ऽ	र	लि	यो	ऽ	त	न
नीनी	सांरें	रें	ऽ	नी	ध	प	-								
साऽ	ऽऽ	रो	ऽ	मे	ऽ	रो	ऽ								

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi